दैनिक
भारत देश हमारा
मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी www.Bharatdeshhamara.com DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA
रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 42 अंक 113 पटियाला शनिवार 25 अप्रैल 2026 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

हादसे में 5 की मौत

नई दिल्ली 24 अप्रैल (निस) शादी समारोह से घर लौटते समय मारुति ओमनी और ट्रक की जोरदार टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा गुरुवार रात महाराष्ट्र के भंडारा जिले में हुआ। मृतकों में दूल्हे के चाचा-चाची भी शामिल हैं। हादसा पावनी तहसील के अद्याल गांव के पास हुआ।

फैक्टरी में मजदूर जिंदा जली

जयपुर, 24 अप्रैल (निस) राजस्थान की राजधानी जयपुर में बिजली के बॉक्स और इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट बनाने की फैक्ट्री में आग लगी। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रही महिला मजदूर की जिंदा जल गई। वहीं दो अन्य झुलस गए। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया

आप को करारा झटका: राघव चड्ढा का इस्तीफा, सात अन्य रास सांसदों के साथ भाजपा में शामिल

राघव का आरोप-आप भ्रष्ट हो गयी है, केजरीवाल व अन्य अपने मूल सिद्धांतों एवं नैतिकता से भटक गए हैं

नई दिल्ली 24 अप्रैल (निस) आम आदमी पार्टी को शुक्रवार को बड़ा झटका लगा, जब राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पार्टी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी अपने मूल सिद्धांतों और आदर्शों से भटक चुकी है। उन्होंने कहा कि अब वे पार्टी से दूर और जनता के करीब जाने का फैसला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, %‰क को मैंने अपने खून-पसीने से सींचा है, लेकिन अब ये पार्टी अपने निजी फायदे के लिए काम करती है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चड्ढा ने तीखी टिप्पणी करते हुए खुद को गलत पार्टी में सही आदमी बताया। उनका कहना था कि पार्टी का मौजूदा स्वरूप उसके शुरुआती मूल्यों से मेल नहीं खाता और वे लंबे समय से अंदरूनी असहजता महसूस कर रहे थे। इस मौके पर उनके साथ राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल और संदीप पाठक भी मौजूद रहे। तीनों नेताओं ने संकेत दिया कि वे जल्द ही भाजपा में औपचारिक रूप से शामिल होंगे। चड्ढा ने दावा किया कि राज्यसभा में आप के दो-तिहाई से अधिक सांसद उनके साथ हैं और उन्होंने आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।वर्तमान में आप के राज्यसभा में कुल 10 सदस्य हैं, जिनमें 7 पंजाब और 3 दिल्ली से हैं। ऐसे में यदि बड़े स्तर पर टूट होती है, तो पार्टी की संसदीय स्थिति पर सीधा असर पड़ सकता है। इस घटनाक्रम को आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पार्टी के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। हाल के चुनावी प्रदर्शन और संगठनात्मक फैसलों को लेकर पहले से ही असंतोष की खबरें सामने आती रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर चड्ढा का दो-तिहाई समर्थन वाला दावा सही साबित **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

पंजाब में भाजपा का आप्रेशन लोटस, ईडी बना हथियार, जनता गद्दारों को बख्शेगी नहीं-संजय सिंह

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (निस) आम आदमी पार्टी (आप) में हालिया राजनीतिक घटनाक्रम ने सियासी माहौल गरमा दिया है। पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के फैसले पर आप ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने इसे लोकतंत्र और जनादेश के साथ विश्वासघात करार दिया है। नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप नेता संजय सिंह ने कहा कि यह सब 'ऑपरेशन लोटस' के तहत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पंजाब में भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार को कमजोर करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की सत्ताधारी पार्टी राज्य में आप सरकार के कामकाज में बाधा डालने की कोशिश कर रही है। संजय सिंह ने कहा, पंजाब की जनता को इन सात नामों को याद रखना चाहिए। जनता इन 'गद्दारों' को कभी माफ **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

मेले वाला अमरूद बन गए राघव कैप्टन अमरेन्द्र जैसा हाल होगा

सीएम मान की प्रतिक्रिया, भाजपा की पंजाब विरोधी मुहिम आरम्भ

चंडीगढ़ 24 अप्रैल (निस) राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई सांसदों द्वारा भाजपा में विलय की घोषणा पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राघव चड्ढा बीजेपी में मेले वाला अमरूद बन गए हैं। कैप्टन अमरिंदर जैसा हाल होगा। निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने पंजाब के साथ विश्वासघात किया है। शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी में भी इसी तरह की वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने कहा कि भाजपा का पंजाब में कोई आधार नहीं है।

बीजेपी पंजाब के खिलाफ षडयंत्र रचती है- मान-बीजेपी की पंजाब के साथ बिल्कुल नहीं बनती, इनकी पंजाबियों के साथ नहीं बनती। अगर किसी बात से पंजाब वाले खुश होते हैं तो बीजेपी उसे खराब करने की कोशिश करती है। जब आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो आरडीएफ का पैसा रोका, फिर कोशिश की कि हमारे विधायकों को बदनाम किया जाए। किसान आंदोलन के बाद से इन्होंने पंजाब के साथ खार रखा है। बीजेपी जानती है कि वह पंजाब विधानसभा चुनाव में जीत तो नहीं सकती, इसलिए इस तरह के षड्यंत्र रचती रहती है। लेकिन जनता सजग है सब देख रही है घटिया राजनीति करने का जवाब भी मिलेगा।

पंजाब में भी वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल-बीजेपी ने पंजाब के लोगों के साथ गद्दारी की है। पंजाब के राज्यसभा सांसदों को अपने खेमे में ले लिया है। वही वॉशिंग मशीन, जो शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस में चलती है, वही इन्होंने हमारे साथ भी किया है।बीजेपी पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आने से घबराई हुई है।

सज्जन को सुप्रीम कोर्ट से जमानत नहीं मिली

नई दिल्ली,24 अप्रैल (निस)। 1984 दिल्ली सिख दंगों के दोषी कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है। सज्जन की ओर से कोर्ट में दलील दी गई थी कि वह पिछले 7 साल 4 महीने से जेल में है। उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार हैं और चल-फिर नहीं सकती हैं, वह अपनी पत्नी से एक बार भी नहीं मिले पाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि अगली सुनवाई जुलाई में होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हाईकोर्ट ने 2013 में सज्जन कुमार को निचली अदालत द्वारा बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था। इससे पहले 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी, विकासपुरी हिंसा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले के फिर से उजागर होने के बाद एसआईटी ने फरवरी 2015 में सज्जन कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थी। इन मामलों में 7 जुलाई 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार ने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने कहा था कि वह कभी भी 1984 के सिख विरोधी दंगों में शामिल नहीं थे, उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। जांच एजेंसी पर उन्होंने निष्पक्ष जांच नहीं करने का आरोप लगाया था। एक अन्य मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हैं।

बिहार विस में सीएम सम्राट चौधरी ने पास किया फ्लोर टैस्ट, एनडीए नेताओं में दिखी एकता, तेजस्वी का तंज

पटना 24 अप्रैल (निस) बिहार विधानसभा में हुए फ्लोर टेस्ट में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने सफलतापूर्वक अपना बहुमत साबित किया है। सदन में ध्वनि मत के जरिए विश्वास प्रस्ताव पारित हुआ, जिसमें सत्ता पक्ष को स्पष्ट समर्थन मिला, जबकि विपक्ष संख्या बल के अभाव में पीछे रहा है। यह फ्लोर टेस्ट नई बिहार सरकार के लिए एक अहम राजनीतिक परीक्षा थी, इस परीक्षा को साम्राट सरकार ने आसानी से पार किया। शुक्रवार को बिहार विधानसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई, जिसकी अनुमति विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने दी। इस दौरान महत्वपूर्ण बात यह रही कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सदन में उपस्थित नहीं हुए, क्योंकि वे अब राज्यसभा के सदस्य बन चुके हैं। उनकी अनुपस्थिति को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा भी होती रही। वहीं मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी पहली बार विधानसभा पहुंचे, जहां एनडीए के विधायकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इससे साफ था कि गठबंधन के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर उत्साह है। अपने संबोधन में उन्होंने सरकार की प्राथमिकताओं को सामने रखते हुए कहा कि उनकी सरकार बिहार को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। फ्लोर टेस्ट के दौरान एनडीए के सभी सहयोगी दल एकजुट नजर आए। सत्ता पक्ष के विधायकों ने एक स्वर में सम्राट सरकार के समर्थन में मतदान किया, जिससे बहुमत का आंकड़ा आसानी से पा लिया। विपक्ष ने सम्राट सरकार घेराबंदी की कोशिश जरूर की, लेकिन पर्याप्त संख्या न होने के कारण वह प्रभावी चुनौती पेश नहीं दे सका। अपने भाषण में सम्राट चौधरी ने कहा कि सत्ता किसी की बपौती नहीं, बल्कि यह जनता के विश्वास और समर्थन का परिणाम है। उन्होंने 14 करोड़ बिहारवासियों के आशीर्वाद का जिक्र कर जिम्मेदारी के लिए आभार जताया। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और अन्य एनडीए नेताओं का धन्यवाद किया।

होर्मुज संकट से भारत की सुरक्षा एवं अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ेगा-राजनाथ

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (निस) पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि होर्मुज में पैदा हो रही बाधाएं केवल दूर की घटनाएं नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा असर भारत की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। जर्मनी के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे सिंह ने वहां की संसद की रक्षा और सुरक्षा समिति को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया आज नए तरह के सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है। तेजी से बदलती तकनीक ने हालात को और जटिल बना दिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में देशों को नई सोच के साथ आगे बढ़ने और बदलते माहौल के मुताबिक खुद को ढालने की जरूरत है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्री ने भारत और जर्मनी के रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाने की भी वकालत की। उनका यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब पश्चिम एशिया में पिछले 50 दिनों से जारी तनाव का असर वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। सिंह ने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा सीधा खतरा है। उन्होंने बताया कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर है।

ऐसे में अगर इस क्षेत्र में किसी तरह का व्यवधान होता है, तो उसका असर तुरंत दिखाई देता है।

बंगाल जीतने के बाद अब केन्द्र की सत्ता पर कब्जा करेंगे-ममता बैनर्जी का चैलेंज

कोलकाता 24 अप्रैल (निस) पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला कर दावा किया है कि राज्य विधानसभा चुनावों में जीतने के बाद दिल्ली को भी जीत लेंगी। एक रैली को संबोधित कर ममता ने कहा कि वह सभी विपक्षी दलों को एकजुट करके केंद्र में बीजेपी को खत्म कर देने वाले है। उन्होंने कहा कि मैंने उन सभी लोगों के नाम लिख लिए हैं जो बीजेपी के लिए दलाल का काम कर रहे हैं—ए से लेकर जेड तक, और उनके घरों की जगह भी देख ली है। आपको लगता है कि आप हम पर नज़र रख सकते हैं? आपने जिस भी व्यक्ति को पार्टी में शामिल किया है, उस बीजेपी में लाने से पहले उसके पारिवारिक पृष्ठभूमि की पूरी जाँच-पड़ताल की है, और अधिकारियों की नियुक्ति भी आपने उसी आधार पर की है। ममता ने कहा कि यह याद रखना, तुममें हमें हराने की काबिलियत नहीं है। हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं, हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। मेरा जन्म बंगाल में हुआ था, **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

नहीं बढ़ेंगी पेट्रोल-डीजल की कीमतें केन्द्र ने कहा-कुछ तत्व अफवाहें फैला रहे

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (निस) केंद्र सरकार ने गुरुवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि वर्तमान में चल रहे विधानसभा चुनावों के बाद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। इसे फेक न्यूज बताते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया में कहा- कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। यह स्पष्ट है कि सरकार के सामने ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इस तरह की खबरें भय और दहशत पैदा करने के उद्देश्य से फैलाई जाती हैं और ये शरारतपूर्ण और भ्रामक हैं।

पोस्ट में आखिर में लिखा- भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पिछले चार सालों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं हुई है। भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय कीमतों में होने वाली तीव्र वृद्धि से बचाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं। इससे पहले बुधवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा था कि देश में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और लोगों से अपील की है कि पेट्रोल-डीजल या गैस की जल्दबादी में खरीदारी न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

राहुल के ध्रुवीकरण वाले आरोप पर रिजिजू ने कहा-कांग्रेस का खुद का स्टैंड स्पष्ट नहीं

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (निस) केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने 24 अप्रैल को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की, जब राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बंगाल का ध्रुवीकरण करने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लाभ देने में सक्षम बनाने का आरोप लगाया था। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान में विरोधाभासों की ओर इशारा कर कहा कि जहां राहुल गांधी बंगाल में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं, वहीं वे टीएमसी की इस बात को लेकर आलोचना कर रहे हैं कि ममता ने भाजपा को अपनी पकड़ मजबूत करने दी। एक ओर राहुल गांधी कह रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में सिर्फ कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है, वहीं दूसरी ओर कह रहे हैं कि टीएमसी की ध्रुवीकरण की राजनीति के कारण भाजपा पश्चिम बंगाल का चुनाव जीतेगी!

उत्तरी राज्यों में गर्मी का कहर जारी, कई जगह तीन दिन का येलो अलर्ट, जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली 24 अप्रैल (निस) राजधानी दिल्ली सहित पंजाब, हरियाणा व उत्तरी भारत के कई राज्य आज भी भीषण गर्मी से तपते रहे जबकि कई स्थानों पर पारा 42 डिग्री से अधिक रहा आने वाले दिनों में तापमान बढ़ेगा जब कि कई स्थानों पर लू का येलो अलर्ट कर दिया गया है।

राजधानी दिल्ली-देश की राजधानी दिल्ली में आज सूरज के तेवर बेहद तल्ख रहे। सुबह से ही चिलचिलाती गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। आज दिल्ली के कई हिस्सों में लू चलने की गंभीर चेतावनी जारी की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली के मुख्य मौसम निगरानी केंद्र सफदरजंग में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक यानी 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पलाम में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक 25.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यह दिन के शुरुआती समय में दिल्ली के सबसे गर्म इलाकों में से एक रहा। मध्य दिल्ली के अंतर्गत लोधी रोड में न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से थोड़ा अधिक था। रिज केंद्र पर सामान्य से 2.4 डिग्री अधिक 25.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया जबकि दक्षिण दिल्ली के आयानगर में 23.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री अधिक था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में सुबह वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 210 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के अनुसार शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। आईएमडी के अनुसार शुक्रवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान के 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है और लू चलने की आशंका है।

लखनऊ - उत्तर प्रदेश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। सूबे में तापमान लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। राजधानी लखनऊ से लेकर बुंदेलखंड और पूर्वांचल तक आसमान से आग बरस रही है। स्थिति यह है कि दिन के साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही। दिन के समय तो सड़कों पर सन्नाटा छाया रहता है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में हालात और गंभीर होने की चेतावनी दी है, हालांकि 26 अप्रैल के बाद कुछ राहत के संकेत भी दिए गए हैं। लखनऊ में शुक्रवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया।

28 अप्रैल को बनारस पहुंच रहे पीएम मोदी

वाराणसी, 24 अप्रैल (निस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र बनारस के दौरे पर आ रहे हैं, इस लेकर भारतीय जनता पार्टी ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम को सफल और ऐतिहासिक बनाने की रणनीति तय की। इस दौरान जिला और महानगर इकाइयों को बूथ स्तर तक जनसंपर्क अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं, खासतौर पर महिला सम्मेलन में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है।

पटेल के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 28 अप्रैल को दोपहर बाद काशी पहुंचकर सबसे पहले बनारस लोकोमोटिव वर्क्स में करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने वाले है। इसके बाद वे एक विशाल महिला सम्मेलन को संबोधित करने वाले है। जिसमें लगभग 50 हजार महिलाओं के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री उसी दिन काशी में रात्रि विश्राम भी करने का कार्यक्रम है।

प्रधानमंत्री ने हुगली नदी में नौका विहार का आनंद लिया...

प्रथम चरण में वोटरों का स्पष्ट संदेश-ममता के कुशासन का अंत राज्य में बदलाव की बहार एवं विकास की लहर चलेगी-पीएम

कोलकाता 24 अप्रैल (निस): बंगाल के चुनावी माहौल के बीच शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अलग ही रुप देखने को मिला। दरअसल पीएम मोदी कोलकाता की हुगली नदी के तट पर सुबह पहुंच नौका विहार किया और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। शुक्रवार की अलसुबह प्रधानमंत्री मोदी हुगली के तट पर पहुंचे, जहां उन्होंने गंगा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। इस दौरान वे हाथ में कैमरा लिए प्रकृति और आसपास के जनजीवन के खूबसूरत दृश्यों को कैद करते नजर आए। शांत वातावरण में उनका यह सादा और आत्मिक रूप लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी नौका विहार की तस्वीरें साझा करते हुए बंगाल और गंगा के गहरे संबंध को रेखांकित किया। उन्होंने लिखा कि हर बंगाली के लिए गंगा का विशेष महत्व है और यह कहना गलत नहीं होगा कि गंगा बंगाल की आत्मा में बहती है। उनके अनुसार, मां गंगा का पावन जल एक पूरी सभ्यता की कालातीत भावना को समेटे हुए है।नौका पर सवार होकर ध्यानमग्न मुद्रा में कैमरा थामे प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों ने उनके व्यक्तित्व के एक संवेदनशील और प्रकृति-प्रेमी पक्ष को भी उजागर किया है।

टीएमसी का दीया अब बुझने वाला है, राज्य में बदलाव की लहर स्पष्ट दिखाई दे रही-पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रश्चिम बंगाल के दमदम में आयोजित जनसभा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। दूसरे चरण के मतदान से पहले उन्होंने कहा कि टीएमसी का दीया अब बुझने वाला है, और राज्य में बदलाव की लहर स्पष्ट दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि पहले चरण के मतदान ने भाजपा के पक्ष में माहौल बना दिया है और यह विजय का शंखनाद है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी ने लोकतंत्र को कमजोर किया है, जबकि जनता अब उसे फिर से स्थापित करने के लिए आगे आ रही है। उन्होंने कहा कि हर बुझता हुआ दीपक अंत में फड़फड़ाता है, वैसे ही टीएमसी भी बौखलाई हुई है। पीएम मोदी ने जनता से भाजपा को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि उनकी सरकार बंगाल को भय, भ्रष्टाचार और सिंडिकेट राज से मुक्त कराएगी। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए सुभाष चंद्र बोस के आह्वान का जिक्र किया और इसे नई क्रांति का समय बताया, जिसमें जनता का एक-एक वोट निर्णायक होगा।महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने टीएमसी पर महिलाओं के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास मॉडल पर काम करती है और हर बेटी के सपनों की रक्षा का संकल्प लेती है। उन्होंने संदेशखाली की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा ने पीड़ित महिलाओं को नेतृत्व का अवसर दिया है। प्रधानमंत्री **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

सम्पादकीय

चुनाव आयोग की तार्किक विसंगति बनाम अतार्तिक विसंगति?

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में तार्किक विसंगति के नाम पर 27 लाख, 10 हजार नागरिकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए हैं। इन नागरिक मतदाताओं को अंतिम समय तक वोट डालने का अधिकार नहीं मिला। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 19 न्यायाधिकरण भी बनाए गए। यह भी मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा नहीं कर पाए। लाखों की संख्या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो गए। यह सब लोकतांत्रिक, संवैधानिक संस्थाओं ने अधिकारों के नाम पर किया है। इस प्रक्रिया में इन लाखों मतदाताओं के अधिकार कहां चले गए। इसमें कौन सा तर्क है, और कौन सा वितर्क है? इसका जवाब कोई नहीं दे रहा है। जो ट्रिब्यूनल सुप्रीम कोर्ट आदेश पर बनाए गए थे, उन्हें मतदान के दो दिन पहले तक सुनवाई कर निर्णय देना था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दो दिन पहले तक मतदाता सूची को अपडेट करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को दी थी। याचिकाकर्ताओं को सुप्रीम कोर्ट में भरोसा दिलाया गया था, मतदाताओं के साथ न्याय होगा। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, ट्रिब्यूनल सब जगह मतदाता घूमते रह गए। कहीं से भी न्याय नहीं मिला। लाखों मतदाताओं ने सुनवाई के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन लगाए। 21 अप्रैल तक मात्र 138 लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़े गए। चुनाव आयोग ने तार्किक विसंगति के पक्ष में जो तर्क सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में दिए थे, वह सब हवा-हवाई साबित हुए। 2002 की मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम थे, तार्किक विसंगति के नाम पर उनके भी नाम काट दिए गए। इसका क्या तर्क है, यह चुनाव आयोग नहीं बता पा रहा है। इसको देखते हुए यही कहा जा सकता है- समरथ को नहीं दोष गुसाईं। चुनाव आयोग ने तार्किक विसंगति के नाम पर पहले 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काट दिए। जिनके नाम कटे उसमें सारे गरीब- गुरवे थे, जो कई दिनों तक नाम जुड़वाने के लिए अपनी नौकरी, कारोबार, मजदूरी छोड़कर चक्कर लगाते रह गए। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के नाम पर उन्हें भूखा भी रहना पड़ा। मजदूरी पर नहीं जाने के कारण उनके परिवार के लोगों को खाने-पीने और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा। जिस जनता के अधिकारों के लिए चुनाव आयोग, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट व राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है, वह उनके अधिकारों की रक्षा करने में सफल नहीं हो पाए। तार्किक विसंगति के नाम पर सही मतदाता सूची को बनाने के नाम पर लाखों मतदाताओं के नाम जोड़ने की जगह काटे गए है। करोड़ों रुपए इसमें सरकारी खजाने से खर्च किए गए। कई राज्यों के न्यायिक अधिकारियों को चुनाव के काम में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से लगा दिया गया। इसका कोई फायदा ही नहीं हुआ। गरीब आखिर गरीब ही होता है। गलती कोई भी करे, गरीब के नसीब में यदि कष्ट लिखा हुआ है, तो कोई क्या कर सकता है। चुनाव आयोग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए तार्किक विसंगति की जो रूपरेखा तय की थी, उसका उपयोग केवल पश्चिम बंगाल में किया गया है। चुनाव आयोग और उसमें काम करने वाले लोगों ने डाटा एंट्री मे जो गलती की हैं, उनके द्वारा तैयार किए गए सॉफ्टवेयर की गलतियों का खामियाजा पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को भोगना पड़ा है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। सबसे बड़ी आशंका की बात यह है, बांग्लादेश में जब शेख हसीना का चुनाव हुआ था। वहां पर भी कुछ इसी तरह की स्थितियां बनी थीं। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने शेख हसीना की पार्टी को चुनाव जिताने के लिए जो मदद की थी, अब वही सब कुछ पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव में जिस तरह की क्रिया और प्रतिक्रिया की जा रही है। उसके परिणाम किस रूप में सामने आयेंगे कहना मुश्किल है। बांग्लादेश में भी बंगाली समुदाय और बंगाली संस्कृति के नागरिक थे। पश्चिम बंगाल में भी बंगाली हैं। बंगालियों का डीएनए एक तरह का है। यह आसानी से अपने ऊपर जुल्म बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। यह बंगालियों का इतिहास है। तार्किक विसंगति के नाम पर कुतर्क का जो खेल पश्चिम बंगाल में खेला गया है, उसकी परणति किस रूप में होगी इसका पता तो भविष्य में ही चलेगा।

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्राय: हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

बंपर वोटिंग का संदेश: जनता की चुप्पी में छिपा जनादेश

- कांतिलाल मांडोत

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान ने भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता और परिपक्वता को एक बार फिर रेखांकित किया है। भीषण गर्मी, लंबी कतारें और कई जगहों पर तनावपूर्ण माहौल के बावजूद जिस तरह मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह सिर्फ एक चुनावी प्रक्रिया नहीं बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी का सशक्त प्रदर्शन है। यह सवाल अब स्वाभाविक रूप से उठता है कि इतनी भारी वोटिंग का अर्थ क्या है—क्या यह सत्तारूढ़ दल के पक्ष में जनसमर्थन का संकेत है या फिर परिवर्तन की इच्छा का प्रतीक?

इतिहास बताता है कि अधिक मतदान को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। कई बार ज्यादा मतदान सत्ता में बैठे दल के पक्ष में गया है, तो कई बार यह बदलाव की लहर का संकेत भी बना है। इसलिए इस बार भी केवल प्रतिशत के आधार पर निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि जब सामान्य से कहीं अधिक मतदाता मतदान के लिए निकलते हैं, तो उसके पीछे कोई न कोई मजबूत भावनात्मक या राजनीतिक कारण जरूर होता है।

पश्चिम बंगाल में इस बार मतदान का प्रतिशत 90त्न के पार चला गया, जो अपने आप में एक असाधारण स्थिति है। यहां चुनाव हमेशा से राजनीतिक रूप से संवेदनशील और कभी-कभी हिंसक भी रहे हैं। इस बार भी छिटपुट हिंसा की घटनाएं सामने आईं, लेकिन इसके बावजूद लोगों का बड़ी संख्या में मतदान करना यह दर्शाता है कि वे अपने वोट के महत्व को समझते हैं और किसी भी परिस्थिति में लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं। यहां मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है, और दोनों ही दल इस भारी मतदान को अपने-अपने पक्ष में बता रहे हैं।तृणमूल कांग्रेस का मानना है कि यह मतदान उनके खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों और कथित मतदाता सूची पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) के विरोध में जनता की प्रतिक्रिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे जनता की आवाज बताया है, जो उनके अनुसार बाहरी हस्तक्षेप और राजनीतिक दबाव के खिलाफ है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी इसे परिवर्तन की लहर के रूप में पेश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषणों में दावा किया है कि जहां ज्यादा मतदान हुआ है, वहां भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है। तमिलनाडु की स्थिति थोड़ी अलग लेकिन उतनी ही रोचक है। यहां परंपरागत रूप से द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के बीच सीधी टक्कर रहती है। इस बार भी यही मुकाबला देखने को मिल रहा है, लेकिन अभिनेता विजय की नई पार्टी ने समीकरणों को थोड़ा जटिल बना दिया है। रिकॉर्ड मतदान को यहां स्पष्ट जनादेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर तमिलनाडु में जब मतदान प्रतिशत बहुत अधिक होता है, तो मतदाता किसी एक पक्ष में स्पष्ट रूप से झुकाव दिखाते हैं।

इस बार के चुनावों में एक और महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कई क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया है। यह केवल संख्या का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव का संकेत भी है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। उनके मुद्दे—महंगाई, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति—चुनावी विमर्श के केंद्र में आ चुके हैं।अगर मुद्दों की बात करें तो दोनों राज्यों में स्थानीय और राष्ट्रीय दोनों तरह के मुद्दे प्रभावी रहे हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार के आरोप, केंद्र-राज्य संबंध और पहचान की राजनीति प्रमुख मुद्दे रहे हैं। वहीं तमिलनाडु में विकास, रोजगार, शिक्षा और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे विषयों ने मतदाताओं को प्रभावित किया है। महंगाई और बेरोजगारी जैसे राष्ट्रीय मुद्दों का असर भी दोनों राज्यों में साफ दिखाई देता है। बंपर वोटिंग का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी होता है। जब लोग बड़ी संख्या में मतदान करने निकलते हैं, तो यह संकेत होता है कि वे मौजूदा स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं या फिर वे किसी बदलाव को लेकर उत्साहित हैं। यह असंतोष भी हो सकता है और उम्मीद भी। इसलिए यह कहना मुश्किल है कि यह मतदान किसके पक्ष में जाएगा, लेकिन इतना तय है कि यह सामान्य चुनाव नहीं है। राजनीतिक दलों के दावे अपनी जगह हैं, लेकिन असली तस्वीर 4 मई को सामने आएगी जब नतीजे घोषित होंगे। तब यह स्पष्ट होगा कि जनता ने किस पर भरोसा जताया और किसे नकार दिया। फिलहाल, यह कहा जा सकता है कि इस बार का चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं, उम्मीदों और असंतोष का प्रतिबिंब है।

अंतत:, बंपर वोटिंग लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दर्शाता है कि जनता जागरूक है, सक्रिय है और अपने अधिकारों के प्रति गंभीर है। चाहे परिणाम कुछ भी हों, यह भागीदारी ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

परिसीमन की सियासत, अस्मिता का उभार एवं चुनावी हवा का बदलता रुख

- कांतिलाल मांडोत

भारतीय राजनीति में चुनाव केवल मतों का गणित नहीं होता, बल्कि यह भावनाओं, पहचान, रणनीतियों और समय-समय पर बदलते नैरेटिव का एक जटिल मिश्रण होता है। हाल के घटनाक्रमों में महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन बिल का संसद में गिरना और परिसीमन बिल का पेश न होना, दो ऐसे मोड़ साबित हुए हैं जिन्होंने चुनावी राजनीति की दिशा और भाषा दोनों को बदल दिया है। विशेषकर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में यह बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जहां सत्तारूढ़ और विपक्षी दल अपने-अपने हिसाब से नए मुद्दे गढ़ रहे हैं और पुराने विमर्शों को पीछे छोड़ रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने जिस तेजी से अपनी चुनावी रणनीति को बदला है, वह उनकी राजनीतिक समझ और समय की नब्ज पकड़ने की क्षमता को दर्शाता है। महिला आरक्षण बिल के गिरने के बाद उन्होंने परिसीमन को केंद्र में रखकर एक नया आक्रामक अभियान शुरू किया है। पहले जहां एसआईआर जैसे मुद्दे को बंगाल की अस्मिता से जोड़ा जा रहा था, वहीं अब परिसीमन को देश को तोड़ने की साजिश के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह बदलाव केवल भाषाई नहीं बल्कि पूरी राजनीतिक दिशा को बदलने वाला है।उत्तर बंगाल, जहां भाजपा ने पिछली बार मजबूत प्रदर्शन किया था, अब इस नए नैरेटिव का केंद्र बन गया है। चाय बागानों में काम करने वाले लाखों मजदूरों तक पहुंचने के लिए तृणमूल कांग्रेस ने घर-घर अभियान शुरू किया है। यहां अब रोजगार, मजदूरी और जमीन के अधिकार जैसे मुद्दों की जगह परिसीमन को लेकर भय और असुरक्षा का माहौल बनाया जा रहा है। ममता बनर्जी यह संदेश देने की कोशिश कर रही हैं कि यदि परिसीमन लागू होता, तो कई जिलों की पहचान ही खत्म हो जाती। यह

एक ऐसा भावनात्मक तर्क है जो सीधे जनता के मन में अस्मिता के सवाल को जगाता है।दूसरी ओर अभिषेक बनर्जी जैसे नेता इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की कमजोरी के रूप में पेश कर रहे हैं। उनका कहना है कि संसद में जो हुआ, वह केवल शुरुआत है और इसका असर राज्यों में भी दिखेगा। यह बयान न केवल आत्मविश्वास दर्शाता है बल्कि कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने का प्रयास भी है। तमिलनाडु में स्थिति और भी रोचक है। यहां द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने बेहद तेजी से चुनावी हवा को अपने पक्ष में मोड़ने का काम किया है। तीन दिन पहले तक परिसीमन बिल सबसे बड़ा मुद्दा था, लेकिन अब तमिल अस्मिता चुनाव का केंद्रीय विषय बन चुकी है। एम. के. स्टालिन को इस पूरे घटनाक्रम में एक विजेता के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, मानो उन्होंने केंद्र के खिलाफ एक बड़ी लड़ाई जीत ली हो।

डीएमके के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर द्रविड़ गौरव के पर्चे बांट रहे हैं और यह संदेश दे रहे हैं कि यह केवल राजनीतिक लड़ाई नहीं बल्कि तमिल पहचान की रक्षा का प्रश्न है। इस रणनीति का असर यह हुआ है कि चुनावी विमर्श पूरी तरह बदल गया है। अब यह केवल सीटों के बंटवारे का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह सांस्कृतिक और क्षेत्रीय अस्मिता का प्रश्न बन गया है।भाजपा के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण बन गई है। के. अन्नामलाई लगातार यह कह रहे हैं कि परिसीमन से तमिलनाडु को कोई नुकसान नहीं होता, लेकिन उनकी बात उतनी प्रभावी तरीके से जनता तक नहीं पहुंच पा रही है। इसके विपरीत डीएमके का संदेश ज्यादा संगठित और भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है, जिससे वह ज्यादा असरदार साबित हो रहा है।एनडीए की सहयोगी एआईए डीएमके एक असमंजस की स्थिति में है। वह न तो खुलकर परिसीमन बिल के खिलाफ बोल पा रही है और न ही तमिल अस्मिता के मुद्दे पर पूरी तरह डीएमके का विरोध कर पा रही है। यह स्थिति उसे चुनावी मैदान में कमजोर बनाती है। इस पूरे घटनाक्रम में एक और दिलचस्प पहलू उभरकर सामने आया है, वह है नए चेहरों का उदय। अभिनेता विजय ने इस मुद्दे को एक अवसर के रूप में लिया है और अपनी पार्टी के जरिए तमिलनाडु का हक जैसे संदेशों को डिजिटल माध्यम से फैलाया है। यह दिखाता है कि कैसे बदलते राजनीतिक माहौल में नए खिलाड़ी भी अपनी जगह बना सकते हैं। यदि व्यापक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो यह पहली बार नहीं है जब चुनाव से ठीक पहले मुद्दों में इतना बड़ा बदलाव आया हो। पश्चिम बंगाल में 2011 में परिवर्तन का नारा और 2021 में खेला होबे जैसे अभियान यह साबित करते हैं कि सही समय पर सही नैरेटिव चुनाव की दिशा बदल सकता है। इसी तरह तमिलनाडु में 1967 और 2016 के चुनावों में भी आखिरी समय में मुद्दों के बदलने से परिणाम प्रभावित हुए थे।इस बार भी वही पैटर्न दोहराया जा रहा है, लेकिन एक अंतर के साथ। इस बार मुद्दे केवल स्थानीय नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय नीतियों से जुड़े हुए हैं। परिसीमन जैसे विषय को लेकर क्षेत्रीय अस्मिता का उभार यह दिखाता है कि भारत की संघीय राजनीति में राज्य और केंद्र के बीच संतुलन का सवाल कितना संवेदनशील है।भाजपा की स्थिति भी दिलचस्प है।

असली बड़प्पन वहीं जो दूसरों को गिरने से बचाए

-सतीश कुमार

समाज में अक्सर एक कहावत कही जाती है—जिस पेड़ पर फल लगते हैं, वह झुक जाता है। यह केवल प्रकृति का नियम नहीं, बल्कि जीवन का गहरा दर्शन भी है। जो व्यक्ति जितना बड़ा होता है, उतना ही विनम्र होता है और उतना ही दूसरों को साथ लेकर चलने का प्रयास करता है। आज के दौर में, जहां अहंकार और दिखावे का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वहां यह गुण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। इसी बात को समझाने वाला एक छोटा-सा अनुभव जीवन की बड़ी सीख बन जाता है। एक यात्रा के दौरान फाइव स्टार होटल में भोजन करने का अवसर मिला। वातावरण शानदार था, व्यवस्था उच्च स्तर की थी और हर चीज़ में एक अलग ही शिष्टता दिखाई दे रही थी। भोजन के बाद हाथ साफ करने के लिए कटोरियों में टिशू पेपर रखा गया था, जिसे गोल आकार में इस तरह सजाया गया था कि वह देखने में किसी मिठाई, जैसे रसगुल्ला, जैसा प्रतीत हो रहा था। यहीं पर एक रोचक और शिक्षाप्रद घटना घटी। साथ बैठे एक सहयोगी ने मजाकिया अंदाज़ में कहा—इस रसगुल्ले को बिना काटे पूरा का पूरा मुंह में डालकर खाना है। यह बात सुनकर कुछ लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। यह एक हल्का-फुल्का मजाक था, लेकिन इसके पीछे एक संभावित खतरा भी छिपा था। यदि कोई व्यक्ति इसे सच मानकर उस टिशू पेपर को मुंह में डाल लेता, तो वह न केवल असहज स्थिति में पड़ता, बल्कि दूसरों के सामने हंसी का पात्र भी बन सकता था।लेकिन इसी क्षण एक बड़े और समझदार व्यक्ति ने तुरंत हस्तक्षेप किया। उन्होंने शांत और संतुलित स्वर में कहा—क्यों, क्या आपको लगता है कि सामने वाले व्यक्ति को यह नहीं पता कि यह हाथ साफ करने के लिए टिशू पेपर है? यह एक साधारण-सा वाक्य था, लेकिन इसके भीतर गहरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी छिपी हुई थी। यहां जिस बड़प्पन की बात हो रही है, उसका सजीव उदाहरण हैं चढ़दी कला टाइम टीवी मीडिया ग्रुप के सीओ हरप्रीत सिंह दर्दी। उन्होंने न केवल एक संभावित गलती को रोका, बल्कि यह भी संदेश दिया कि सच्चा नेतृत्व वही है जो अपने साथ चलने वालों का सम्मान करता है और उन्हें किसी भी स्थिति में शर्मिंदा होने से बचाता है। यहां दो तरह की

मानसिकताएं साफ दिखाई देती हैं। पहली, वह जो मजाक के नाम पर किसी को असहज स्थिति में डाल सकती है, और दूसरी, वह जो किसी को गिरने से पहले ही संभाल लेती है। असली बड़प्पन इसी दूसरी सोच में है।

जो व्यक्ति वास्तव में बड़ा होता है, वह अपनी महानता का प्रदर्शन नहीं करता, बल्कि अपने व्यवहार से उसे साबित करता है। वह दूसरों की कमजोरियों का फायदा नहीं उठाता, बल्कि उन्हें ढकने और सुधारने का प्रयास करता है। वह यह नहीं चाहता कि कोई उसकी वजह से हंसी का पात्र बने, बल्कि यह चाहता है कि हर व्यक्ति सम्मान के साथ आगे बढ़े। इस घटना में उस बड़े व्यक्ति ने न केवल एक संभावित गलती को रोका, बल्कि यह भी संदेश दिया कि हमें अपने साथ काम करने वाले लोगों का सम्मान करना चाहिए। खासकर जो लोग हमारे अधीन काम करते हैं, उनके साथ हमारा व्यवहार हमारी असली पहचान बनाता है। नेतृत्व केवल आदेश देने का नाम नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी लेने का नाम है। एक सच्चा नेता वही होता है जो अपने साथियों को मार्गदर्शन देता है, उनकी गलतियों को सुधारता है और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देता है। वह कभी भी अपने पद या ज्ञान का इस्तेमाल किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं करता। आज के समय में यह गुण और भी जरूरी हो गया है। सोशल मीडिया और सार्वजनिक जीवन में हम अक्सर देखते हैं कि लोग दूसरों की छोटी-छोटी गलतियों का मजाक बनाकर खुद को बड़ा साबित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन यह असली बड़प्पन नहीं है। असली बड़प्पन तो तब है जब आप किसी की गलती को सार्वजनिक करने के बजाय उसे निजी तौर पर सुधारने की कोशिश करें।इस घटना से हमें यह भी सीख मिलती है कि मजाक करते समय हमें यह जरूर सोचना चाहिए कि उसका प्रभाव सामने वाले पर क्या पड़ेगा। हर व्यक्ति का अनुभव और समझ अलग होती है। जो बात हमें सामान्य लगती है, वह किसी दूसरे के लिए नई हो सकती है। ऐसे में हमें संवेदनशीलता और समझदारी से व्यवहार करना चाहिए।

विनम्रता, संवेदनशीलता और दूसरों के प्रति सम्मान—ये तीन गुण किसी भी व्यक्ति को महान बनाते हैं। यह गुण केवल बड़े पद या उम्र से नहीं आते, बल्कि यह हमारे संस्कार और सोच का हिस्सा होते हैं।

अंत में यही कहा जा सकता है कि जीवन में बड़ा बनने से ज्यादा जरूरी है अच्छा बनना। क्योंकि बड़ा तो हर कोई बन सकता है, लेकिन अच्छा वही बनता है जो दूसरों को भी साथ लेकर चलता है। जो व्यक्ति अपने साथियों को गिरने से बचाता है, वही सच्चे अर्थों में महान होता है।

यह छोटी-सी घटना हमें एक बड़ी सीख देती है—अगर आप वास्तव में बड़े हैं, तो आपकी पहचान आपके शब्दों से नहीं, बल्कि आपके व्यवहार से होगी। और वही व्यवहार आपको समाज में सम्मान और विश्वास दिलाएगा।

जिला में 7 लाख 63 हजार 276 मीट्रिक टन गेहूं की आवक

करनाल, 24 अप्रैल (प्रवीन) : जिला की मंडियों में गेहूं की आवक अंतिम चरण में है। गेहूं खरीद कार्य पर जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है और समय-समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा द्वारा स्वयं अनाज मंडियों का दौरा किया गया है और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि गेहूं की खरीद सुचारू रूप से जारी रखें, किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न आने दी जाए तथा मंडियों से गेहूं का उठान समय पर सुनिश्चित किया जाए। डीसी ने बताया कि गत दिवस तक जिला में करीब 7 लाख 63 हजार 276 मीट्रिक टन की आवक विभिन्न खरीद केंद्रों व मंडियों में हुई।

उन्होंने बताया कि विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा 720501 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया जिसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 287658 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 328103 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा 100612 मीट्रिक टन तथा एफसीआई द्वारा 4128 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। जिसमें से 358076 मीट्रिक टन गेहूं का उठान किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला में गेहूं की फसल की खरीद के बाद उठान पर जोर देने के लिए अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उठान के बाद किसानों को खरीद एजेंसियों द्वारा तय समय पर भुगतान भी सुनिश्चित करने के भी निर्देश जारी किए गए हैं। बिक्री के दौरान किसानों को आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या के त्वरित समाधान के लिए जिला राजस्व कार्यालय (डीआरओ) में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

इसके साथ ही गेहूं खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाने और किसानों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 0184-2267271 व 0184-2980735 जारी किए गए हैं। यह हेल्पलाइन सेवा रोजाना प्रातः 6 से रात्रि 8 बजे तक क्रियाशील है।

जनगणना को लेकर छात्र छात्राओं को किया जागरूक

नीलोखेड़ी, 24 अप्रैल (सुरेश कुमार मिड्ढा) : श्री गुरु तेग बहादुर जी राजकीय महाविद्यालय में भारत सरकार के जनगणना कार्यक्रम के प्रति छात्र छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से सेल्फ एन्यूमरेशन विषय पर विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में डॉक्टर राजीव, प्रवक्ता भौतिक विज्ञान द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में छात्र-छात्राओं से जनगणना से संबंधित विस्तृत जानकारी सांझा की गई। डॉक्टर राजीव ने बताया कि सेल्फ एन्यूमरेशन जनगणना 2027 एक डिजिटल प्रक्रिया है । पोर्टल के माध्यम से घर बैठे स्वयं अपनी और अपने परिवार की जानकारी साक्षरता, संपत्ति, आवास आदि भर सकते हैं। इसके बाद 12 अंक की आईडी मिलती है जिसे फील्ड कर्मचारियों को दिखाना अनिवार्य है। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य चमन लाल ने संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना से संबंधित सही और सटीक जानकारी देकर भारत सरकार के जनगणना कार्यक्रम को सफल बनाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उपरोक्त व्याख्यान के दौरान महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे।

सामाजिक एकता मंच के सदस्यों ने न.पा. प्रधान से की मुलाकात

शाहाबाद मारकंडा, 24 अप्रैल (रूबी) : सामाजिक एकता मंच के विक्की भिंडर, कुलवंत रफीक, मंजू नारंग पूर्व प्राचार्या, भावना सेठी, डिंपल, अनुज, भगवंत सिंह, पाल चुघ, हरीश, सोनिया मेहंदी रत्ता सहित अनेक सदस्यों ने न.पा. प्रधान गुलशन कवातरा से न.पा. कार्यालय में मुलाकात की।

मंजू नारंग ने कहा कि सामाजिक एकता मंच ने लाडवा चौंक पर ट्रैफिक लाईट लगाने की मांग रखी थी जिसे पूरा करवा दिया गया है। इसके लिए सामाजिक मंच के सदस्य न.पा. प्रधान, सचिव एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों का धन्यावाद करते है। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े अनेक मुद्दे जिसमें मुख्यत: सफाई व्यवस्था नियमित ना होना, जी.टी. रोड पर मीरी-पीरी कॉलेज तक फुटपाथों की दुर्दशा, पार्कों में माली न होने के कारण सफाई न होना, सड़कों पर गंदगी के ढेर आदि कुछ अन्य समस्याएं हैं जो आम नागरिक से जुड़ी हैं।

उन्होंने न.पा. प्रधान, सचिव व सैनेटरी इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार को इससे संबंधित मांग पत्र भी सौंपा। न.पा. प्रधान गुलशन कवातरा ने कहा कि उनका प्रयास रहता है कि जो भी व्यक्ति उनके कार्यालय आए उसकी समस्या का तुरंत निदान हो। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता मंच के सभी सदस्य सकारात्मक सोच रखते हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि न.पा. अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से सभी समस्याओं का निवारण किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालतों में किसी पक्ष की हार-जीत की बजाए दोनों पक्षों की आपसी सहमति से करवाया जाता है

कुरुक्षेत्र, 24 अप्रैल (करणदीप सिह) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 9 मई 2026 को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परिवादी इस नेशनल लोक अदालत में सुलह व समझौते के लिए स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने केसों का निस्तारण करा सकते है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 9 मई को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण कर सकता है।

लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है। इससे शीघ्र व सुलभ न्याय, कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा, समय की बचत जैसे लाभ मिलते है। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से हल हो सकने वाले मामलों में लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की जा सकती। लोक अदालत में सस्ता और सुलभ न्याय मिलता है। इन राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है।

राष्ट्रीय लोक अदालतों में ना तो किसी पक्ष की हार होती है और ना ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है।

उत्कृष्ट कर्मचारियों का सम्मान, चिराग पब्लिक स्कूल नरवाना की पहल बनी मिसाल

नरवाना, 24 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : उत्कृष्ट कर्मचारी ही किसी भी विद्यालय की सफलता की मजबूत नींव होते हैं। इसी सोच को साकार करते हुए चिराग पब्लिक स्कूल, नरवाना की प्राइमरी विंग संस्कार वाटिका में लंबे समय से उत्कृष्ट सेवाएं दे रहे दो कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। विद्यालय की मुखिया मीनाक्षी जैन ने इस अवसर पर कहा कि किसी भी विद्यालय की सफलता अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के मजबूत त्रिकोण पर आधारित होती है लेकिन गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। उनके समर्पण और मेहनत से ही विद्यालय का समग्र विकास संभव हो पाता है।उन्होंने बताया कि वाहन चालक राजेश कुमार और सहायिका रेखा देवी लंबे समय से ईमानदारी, निष्ठा और लगन के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विद्यालय की प्रगति में उनका योगदान सराहनीय और प्रेरणादायक है। इसी के चलते उन्हें स्मृति चिह्न एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।प्राचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय प्रबंधन समिति ने अब हर माह उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है ताकि उनके कार्यों को पहचान और प्रोत्साहन मिल सके। इस अवसर पर महाबीर बनवाला, संतोष शर्मा, डिंपल वत्स सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मानवता की सच्ची सेवा है रक्तदान, समाज को नई दिशा दे रहा है निरंकारी मिशन : सुभाष बराला

निरंकारी फाउंडेशन के रक्तदान शिविर में सुभाष बराला ने किया रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन

टोहाना, 24 अप्रैल (अमन सेठी) : राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शुक्रवार को स्थानीय निरंकारी भवन में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा आयोजित विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस शिविर का औपचारिक शुभारंभ करते हुए सांसद ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और सेवा, समर्पण व मानवीय संवेदनाओं की इस जीवंत मिसाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में एकजुटता का संदेश भी प्रसारित करते हैं। शिविर के दौरान सांसद सुभाष बराला ने प्रत्येक रक्तदाता पास जाकर उनका कुशलक्षेम जाना और प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से किया गया रक्तदान वास्तव में मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। जो लोग अज्ञात व्यक्तियों के प्राण बचाने के लिए अपना रक्त दान करते हैं, वे समाज के असली नायक हैं। उनका यह योगदान समाज में प्रेम, दया और परोपकार की एक नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। रक्तदान महादान के महत्व को बताते हुए बराला ने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और यह केवल एक मानव द्वारा दूसरे मानव को दिया जाने वाला जीवन का उपहार है। यह दान केवल एक शारीरिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी टूटती हुई सांस को उम्मीद देने का माध्यम है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस पुनीत कार्य को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं ताकि समय पर रक्त की उपलब्धता न होने के कारण किसी का जीवन संकट में न पड़े। सासंद ने संत निरंकारी मिशन की सामाजिक गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह मिशन आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन ने वैश्विक स्तर पर मानवता को एक सूत्र में पिरोने और सेवा भाव को प्रत्येक अनुयायी के हृदय में स्थापित करने का जो कार्य किया है, वह अनुकरणीय है। सांसद ने आयोजन के लिए संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के स्थानीय पदाधिकारियों, चिकित्सकों की टीम और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे सेवा कार्यों से समाज में सौहार्द और भाईचारे की भावना और अधिक सशक्त होगी। शिविर के समापन पर फाउंडेशन द्वारा सांसद सुभाष बराला को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

8 किलोग्राम गांजा पत्ती के साथ जीजा-साला गिरफ्तार

यमुनानगर, 24 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 किलोग्राम गांजा पत्ती के साथ जीजा-साला को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया है। इंचार्ज अनिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि गाँव महमूदपुर स्थित एक प्लाईवुड फैक्ट्री के बाहर कुछ लोग नशीले पदार्थ की सप्लाई करने की फिराक में हैं। इस सूचना पर एएसआई राजिंदर, अमित, कर्मवीर और पंकज की टीम का गठन किया गया था। टीम ने मौके पर दबिश दी और एक आरोपी को काबू कर लिया। कार्रवाई के दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट को मौके पर बुलाया गया, जिनकी मौजूदगी में तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 8 किलोग्राम गांजा पत्ती बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान बिहार के जिला वैशाली के गांव राघोपुर निवासी विजय पुत्र राजिंदर राय के रूप में हुई। आगे की जांच में उसके जीजा इंद्रजीत पुत्र बालेश्वर निवासी गांव माइल, जिला वैशाली (बिहार) का नाम सामने आया, जिसे टीम ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया है। इंचार्ज अनिल कुमार ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में यह सामने आया है कि दोनों आरोपी आसपास के क्षेत्रों में नशीले पदार्थ की सप्लाई करते थे। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वे यह गांजा कहां से लेकर आते थे और उनके नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। इंचार्ज ने कहा कि कि नशा तस्करों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

एडीसी ने लघु सचिवालय भवन में किया वाटर कूलर का लोकार्पण

करनाल, 24 अप्रैल (रविन्द्र मलिक) : गर्मी के मौसम को मध्यनजर रखते हुए पंजाब नेशनल बैंक द्वारा नागरिक सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत लघु सचिवालय भवन की प्रथम मंजिल पर आम जनता एवं आगंतुक नागरिकों की सुविधा के लिए 2 आधुनिक वाटर कूलर भेंट किए गए। इस पहल का उद्देश्य गर्मी के मौसम में लोगों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना तथा जनसेवा में योगदान देना है। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. राहुल रईया ने पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख त्रिमूर्ति शिव पांडे (डीजीएम) एवं अग्रणी जिला प्रबंधक सुशील कुमार हंदुजा की उपस्थिति में रिबन काटकर वाटर कूलरों का विधिवत रूप से लोकार्पण किया। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि इस प्रकार के कार्य न केवल जन सुविधा को बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश भी देते हैं। इस मौके पर मंडल प्रमुख ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक हमेशा से सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सजग रहा है। बैंक द्वारा समय-समय पर जनहित में विभिन्न कल्याणकारी कार्य किए जाते रहे हैं और भविष्य में भी इस प्रकार की पहल निरंतर जारी रहेगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने इस सराहनीय पहल के लिए पंजाब नेशनल बैंक का धन्यवाद एवं स्वागत किया और कहा कि गर्मी के दिनों में यह सुविधा लोगों के लिए काफी राहत प्रदान करेगी।

राजकीय महिला महाविद्यालय बसताड़ा में स्व-जनगणना 2027 विषय पर सेमिनार आयोजित

घरौंडा, 24 अप्रैल (नरेंद्र लाठर) : राजकीय महिला महाविद्यालय, बसताड़ा में शुक्रवार को स्व-जनगणना 2027 विषय पर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या कमलेश रानी के कुशल नेतृत्व एवं कार्यवाहक प्राचार्या ममता रानी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। सेमिनार का उद्देश्य छात्राओं एवं शिक्षकों को स्व-जनगणना प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना तथा नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापक पवन कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। उन्होंने बताया कि हरियाणा में स्व-जनगणना अभियान 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक चलाया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि पहली बार नागरिक स्वयं ऑनलाइन माध्यम से जनगणना प्रक्रिया में भाग लेकर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं तथा स्व-जनगणना पहचान संख्या प्राप्त कर सकते हैं। पवन कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना किसी भी देश की विकास योजनाओं और नीतियों का आधार होती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह सही एवं सावधानीपूर्वक जानकारी दर्ज करे। उन्होंने बताया कि स्व-जनगणना की प्रक्रिया पूरी करने में लगभग 15 से 20 मिनट का समय लगता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनगणना प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार के एक बार उपयोग होने वाले गुप्त अंक या दस्तावेज़ की आवश्यकता नहीं होती। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विषय से जुड़े प्रश्न पूछे और जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर डॉ. विक्रम सिंह, अनुराधा, डॉ. हितेंद्र, संदीप कुमार एवं डॉ. श्रुति सहित महाविद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

करनाल मानव सेवा संघ में सभी रोगों की निशुल्क जांच एवं उपचार हेतु मेडिकल कैंप आयोजित

- 63 रोगियों जांच और मुफ्त दवाईयां की गई वितरित

करनाल, 24 अप्रैल (संदीप/रविन्द्र) : करनाल मानव सेवा संघ के पवित्र प्रांगण में अर्पणा ट्रस्ट मधुबन के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा सभी रोगों के इलाज के लिए मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इसमें अर्पणा ट्रस्ट मधुबन के विभिन्न विभागों जैसे हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, सर्जन तथा नेत्र विशेषज्ञ सभी प्रकार के रोगियों की निशुल्क जांच की तथा मुफ्त दवाईयां भी वितरित की गई। इस अवसर पर लगभग 63 रोगियों जांच की गई तथा मुफ्त दवाईयां वितरित की गई। नेत्र चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों ने सात व्यक्तियों जांच उपरान्त मोतियांबिंद के ऑपरेशन के लिए उपयुक्त पाया तथा उन्हें उपचार हेतु मुफ्त लेंस लगाए जाने के लिए अर्पणा ट्रस्ट मधुबन ले जाया गया। जहां पर उनका नि:शुल्क आंखों का ऑपरेशन किया जाएगा और मुफ्त लेंस डालकर वापिस उनके घर तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर स्वामी प्रेममूर्ति ने सभी डॉक्टरों की टीम तथा उपचार हेतु आए रोगियों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर उनके साथ उपस्थित रहे डॉ. भगत राम खण्डवाल एडवोकेट नागेश गुप्ता सीए, दुलिचंद शर्मा, सुमेरचंद, डॉ. विपिन, रामपाल, संजीव वीरभान सोलंकी तथा अन्य मानुभाव। इस अवसर पर मानव सेवा संघ के उपप्रधान डॉ. भगत राम खण्डवाल एडवोकेट ने बताया कि अर्पणा ट्रस्ट के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा करनाल मानव सेवा संघ में हर प्रकार के रोगों की मुफ्त जांच एवं उपचार हेतु हर माह की 23 तारीख को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर लगाया जाता है। अगला चिकित्सा शिविर 23 मई को लगाया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी 14 जून को करनाल मानव सेवा संघ में जरूरतमंद कन्याओं का विवाह समारोह भी आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति मुफ्त चिकित्सा का लाभ उठाएं तथा जरूरतमंद परिवारों को अपने बच्चों के विवाह के लिए करनाल मानव सेवा संघ में रजिस्ट्रेशन शीघ्र अति शीघ्र करवा लें तथा सामुहिक विवाह के आयोजन में शामिल होकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

ज्ञातव्य है कि मानव सेवा संघ द्वारा प्रति दिन भोजन प्रसाद भंडारा चलाया जा रहा है। जिसके लिए करनाल अनाज मंडी के आढ़तियों तथा जिले के राईसमीलर द्वारा गेंहू तथा चावल उदारतापूर्वक दिया जा रहा है। समय-समय पर करनाल मानव सेवा संघ में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते है। कर्णताल और कर्णपार्क में निशुल्क चिकित्सा डिस्पेंशरी चलाई जा रही है। जिसमें विभिन्न रोगों जैसे चर्म रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग तथा दन्त चिकित्सा के अनुभवी डॉक्टर अपनी निशुल्क सेवाएं दे रहे है। इसके अलावा मानव सेवा संघ द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड़ तथा शहर के मुख्य बाजारों में तथा सेक्टर-12,13 में रेड़ियों और कैंपरों द्वारा जल सेवा की जा रही है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्वामी प्रेम मूर्ति जी के संकल्प एवं प्रयास से मानव सेवा संघ के अलावा शहर में मुख्य स्थानों बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन पर वॉटर कूलर स्थापित कर निशुल्क शीतल जल की व्यवस्था की जा रही है। डॉ. भगत राम खण्डवाल एडवोकेट ने बताया कि ये सभी सेवाएं करनाल के उदार दानी सज्जनों के सहयोग से संभव हो पा रही है। जिसके लिए करनाल मानव सेवा संघ करनाल के दानवीरों का आभारी है।

एनआईटी कुरुक्षेत्र के छात्रों में क्यों बढ़ रही है निराशा

देश के प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई टी) में द्वितीय वर्ष की एक छात्रा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, जिससे पिछले दो महीनों में परिसर में संदिग्ध छात्र मृत्यु का यह चौथा मामला सामने आया है ।एनआईटी कुरुक्षेत्र में एक और छात्रा की आत्महत्या! यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की गंभीर विफलता का संकेत है ।एनआइटी में प्रवेश पाने के लिए छात्र छात्राओं द्वारा कठोर परिश्रम कर पढ़ाई कर प्रवेश परीक्षा पास कर तकनीकी शिक्षा लेने का सपना पूरा करने का मौका बिरले छात्रों को मिल पाता है लेकिन जब ऐसे होनहार छात्र छात्राओं द्वारा मौत को गले लगाने का सिलसिला चलता है तो इस संस्थान के माहौल पर भी सवालिया निशान लगता है।

लगातार हो रही ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि छात्रों का मानसिक दबाव, संस्थागत संवेदनहीनता और सपोर्ट सिस्टम की कमी अब खतरनाक स्तर पर पहुँच चुकी है ।सरकार और प्रशासन कब जागेंगे ? गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 को जब दीक्षा दुबे ने अपने दोस्तों के फोन का जवाब नहीं दिया, तो वे उसके कमरे में पहुँचे और कमरा अंदर से बंद पाया। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीमें दोपहर करीब 3 बजे मौके पर पहुँचीं और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वह मृत पाई गईं, उन्होंने बताया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आगे की कार्यवाही जांच के निष्कर्षों और परिवार के बयानों पर निर्भर करेगी। फरवरी से अब तक एनआईटी कुरुक्षेत्र में यह चौथा मामला दर्ज किया गया है।

आपको बता दें 16 फरवरी को तेलंगाना निवासी अंगोद शिव (19) अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। प्रथम सेमेस्टर के छात्र अंगोद शिव संस्थान में कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (सीएसई) की डिग्री हासिल कर रहे थे। नूह के एक अन्य छात्र ने 31 मार्च को एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या कर ली। तीसरी संदिग्ध मौत की सूचना 8 अप्रैल को मिली, जब हरियाणा के सिरसा निवासी प्रियांशु शर्मा अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए गए। वह सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के तीसरे वर्ष के छात्र थे। हाल ही में 16 अप्रेल बिहार की रहने वाली 19 वर्षीय बीटेक छात्रा दीक्षा दुबे ने बृहस्पतिवार को कथित तौर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद यह समिति गठित की गई है।

छात्रा की मृत्यु के बाद परिसर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। दीक्षा दुबे की मृत्यु पिछले दो महीनों में परिसर में हुई इस तरह की चौथी घटना थी।

इतना ही नहीं 18 अप्रैल शनिवार देर रात करीब 12 बजे कल्पना छात्रावास में एक छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद अन्य छात्रों ने समय रहते उसे बचा लिया। बताया जा रहा है कि छात्रा ने एक मैसेज में लिखा था।।मेरी जिंदगी का कोई मतलब नहीं। इस घटना के बाद कैंपस में तनाव और बढ़ गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र के कार्यवाहक निदेशक ब्रह्मजीत ने बताया कि प्रशासन ने छात्रों द्वारा उठाई गई कई मांगों को स्वीकार कर लिया है इन संदिग्ध मौतों के चलते कैंपस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र देर रात मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि छात्रावास के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों का व्यवहार संतोषजनक नहीं था और उन्होंने स्थिति से निपटने के तरीके पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने घटना के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया में लगने वाले समय पर भी सवाल उठाया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र ने परिसर में हाल में छात्रों के आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। साथ ही छात्रों की समस्याओं की जांच के लिए तीन अलग-अलग समितियां भी बनाई हैं। जांच समिति इस मुद्दे पर छात्रों, प्रोफेसर, वार्डन और अन्य कर्मचारियों के साथ बातचीत करेगी। एनआईटी के जनसंपर्क अधिकारी प्रोफेसर ज्ञान भूषण ने रविवार को कहा कि परिसर में हाल में हुई आत्महत्या की घटनाओं की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। समिति की अध्यक्षता छात्र कल्याण विभाग की डीन प्रोफेसर लिली दीवान कर रही हैं और इसमें प्रोफेसर जे ।के। कपूर, प्रोफेसर प्रवीण अग्रवाल, डॉ। संदीप सिंघल और डॉ। मनोज सिन्हा शामिल हैं। पुलिस ने बताया था कि दुबे की कथित आत्महत्या के बाद शुक्रवार रात को बीटेक प्रथम वर्ष की एक अन्य छात्रा ने भी कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास किया था। मूल रूप से महाराष्ट्र की निवासी छात्रा ने कथित तौर पर धमकी दी और छात्रावास की इमारत से कूदने की कोशिश की, लेकिन उसके सहपाठियों ने उसे रोक लिया। संस्थान में मौजूदा स्थिति को देखते हुए और सभी छात्रों के सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए अगले आदेश तक अवकाश रहेगा। एनआईटी प्रशासन की ओर से जारी एक नोटिस के अनुसार, उन्हें 19 अप्रैल तक अपने छात्रावास खाली करने होंगे। छात्रावासों में रह रहे लगभग 5,300 छात्रों में से 2,500 से अधिक छात्रों ने संस्थान के नोटिस के बाद शनिवार तक अपने कमरे खाली कर दिए। दूरदराज के राज्यों से आने वाले छात्रों के लिए स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही है। प्रशासन ने कहा कि प्रायोगिक परीक्षाओं समेत संशोधित परीक्षा कार्यक्रम की सूचना उचित समय पर दी जाएगी। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से काफी पहले सूचित कर दिया जाएगा। हालांकि छात्रों का आरोप है कि पहले बनी जांच कमेटी ने भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

रुड़की का नाम इंजीनियर नगरी के रुप में आज भी प्रसिद्ध

यूँ तो रुड़की का नाम दुनिया के नक्शे पर इंजीनियर नगरी के रूप में जाना जाता है ।सैन्य इंजीनियरिंग के क्षेत्र में मिनटों में पुल बनाकर व

चंद घण्टो में सड़क बनाकर युद्ध व शांतिकाल में बहादुरी व उपलब्धियों की इबारत लिखने वाले बंगाल सैपर्स पर जहां हमे नाज़ है,वही रुड़की के वर्तमान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दीपक रामचंद्र सेट ने स्वयं धरातल से जुड़कर रुड़की के सौंदर्यीकरण का नया इतिहास लिख डाला है ।जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की पहल पर उन्होंने रुड़की को संवारने के लिए स्वच्छता अभियान को पहले गति दी और स्वयं भी इस अभियान का हिस्सा बनकर आमजन को स्वच्छता से जोड़ने में सफल रहे है ।उन्होंने रुड़की शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। रुड़की तहसील परिसर में सौंदर्यकरण कार्यों का विधिवत उद्घाटन कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा संयुक्त रूप से किया गया ।इस दौरान तहसील परिसर को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप में विकसित कर जनता को समर्पित किया गया। कार्यक्रम में कंप्यूटर सेंटर के प्रथम बैच का शुभारंभ भी किया गया, जिससे स्थानीय युवाओं को तकनीकी शिक्षा का लाभ मिलेगा। साथ ही, छात्राओं को बैग वितरित कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

सौंदर्यकरण के तहत तहसील के मुख्य प्रवेश द्वार का पुनर्निर्माण, दीवारों पर सुंदर पेंटिंग्स, और अतिक्रमण हटाने जैसे कार्य किए गए हैं। इन बदलावों से परिसर की साफ-सफाई और व्यवस्थापन में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है।

कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि रुड़की को स्वच्छ और सुंदर बनाना सरकार की प्राथमिकता है और ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे। वहीं, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि यह पहल प्रदेश सरकार के विकास विजन को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण है ।अब हम कह सकते है कि रुड़की तहसील पहले जैसी नही रही,न खुले गंदगी भरे नाले है,न ही अतिक्रमण और न ही जगह जगह अब कूड़े के ढेर नज़र आ रहे है,इन सबकी की जगह अब लगता है जैसे रुड़की तहसील पर्यटकों को लुभा रही हो,अपने सुंदर भित्तिचित्रों के माध्यम से सांस्कृतिक खुशबू बिखेर रही हो ।अब अगर तहसील में कर्मचारियों की कामचोरी और भ्र्ष्टाचार जैसी शिकायते भी आना बंद हो जाए तो आमजन के विश्वास का केंद्र बन सकती है रुड़की तहसील, जिसमे अपने मेहनत का तड़का लगाकर दीपक रामचंद्र सेट जैसे अधिकारी आम पीड़ित के दु:ख दूर कर उनके चेहरे पर समाधान की खुशी बिखेर रहे है ।(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

साइबर अपराध बढ़ने के साथ ही एथिकल हैकर के क्षेत्र में अवसर

आजकल जिस प्रकार से साइबर अपराध बढ़ते जा रहे हैं। उसको देखते हुए एथिकल हैकर की मांग तेजी से बढ़ रही है। एथिकल हैकर का काम अपने कौशल का इस्तेमाल कर कंपनियों और लोगों को साइबर हमले से बचाना हैं। एथिकल हैकर कंप्यूटर सिस्टम की कमजोरियों का पता लगाकर साइबर हमले रोकते हैं।

आजकल जिस प्रकार से साइबर अपराध बढ़ रहा है, उससे एथिकल हैकर्स की भी मांग भी तेजी से बढ़ी है। सरकारी क्षेत्र से लेकर निजी क्षेत्र सभी में इनके लिए अवसर काफी ज्यादा है। हालात ये है कि जरुरत जितनी है उससे इसके पेशेवरों की तादाद काफी कम है। ऐसे में यह एक फायदेमंद, रोमांचक और महत्वपूर्ण कॅरियर बन गया है। ऐसे में अगर आप भी कंप्यूटर और हैकिंग में रुचि रखते हैं, तो आप एथिकल हैकिंग की बारीकियां सीखकर इस क्षेत्र में उतर सकते हैं। एथिकल हैकर बनने के लिए उम्मीदवार को कंप्यूटर सिस्टम से जुड़ी सभी अहम जानकारियां होनी चाहिए। इसमें स्क्रिप्टिंग, ऑपरेटिंग सिस्टम नेटवर्किंग का अच्छा ज्ञान, प्रोग्रामिंग पर अच्छी पकड़, सर्वर और सर्च इंजन, डाटाबेस की अच्छी समझ, नई तकनीकों से उसे लगातर अपडेट रहना होगा। इसके साथ ही विंडोज, लिनक्स और पायथन जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम की भी पूरी जानकारी होनी चाहिये।

ग्राफिक डिजाइनर की तरफ युवाओं का रुझान बढ़ा

आज के तेजी से बदलते डिजिटल दौर में करियर के अनेकों विकल्प मौजूद हैं, जिनमें से ग्राफिक डिजाइनिंग एक बेहद आकर्षक और मांग वाला क्षेत्र बनकर उभरा है। यदि आप भी रचनात्मकता, रंगों और नई चीजों को गढ़ने में रुचि रखते हैं, तो 12वीं के बाद आप इस फील्ड में अपना भविष्य संवार सकते हैं। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रचलन और हर उद्योग में विजुअल कंटेंट की बढ़ती जरूरत ने ग्राफिक डिजाइनरों के लिए अवसरों की बाढ़ ला दी है। ग्राफिक डिजाइनिंग मूलत: एक कला है, जिसमें तस्वीरों, अक्षरों (टाइपोग्राफी) और रंगों के प्रभावी संयोजन से आकर्षक और संदेशपरक डिजाइन तैयार किए जाते हैं। एक ग्राफिक डिजाइनर का मुख्य कार्य दृश्यात्मक सामग्री के माध्यम से किसी विचार या संदेश को दर्शकों तक पहुंचाना होता है। चाहे सोशल मीडिया के लिए पोस्ट बनाना हो, विज्ञापन के पोस्टर हों, मोबाइल एप्लिकेशन का लेआउट तैयार करना हो या किसी ब्रांड का लोगो डिजाइन करना हो, हर जगह ग्राफिक डिजाइनरों की विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

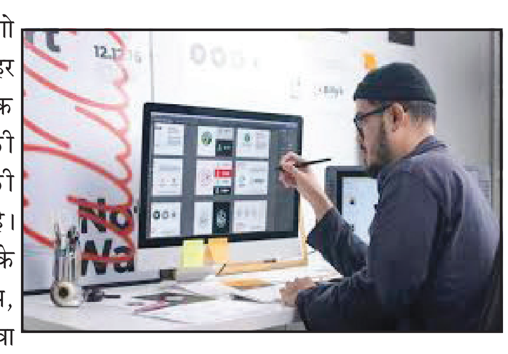

डिजाइनर इस कार्य के लिए फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर और कैनवा जैसे विभिन्न डिजिटल टूल्स का उपयोग करते हैं।12वीं कक्षा के बाद ग्राफिक डिजाइनिंग में करियर बनाने के कई रास्ते हैं। उम्मीदवार अपनी रुचि और समयावधि के अनुसार विभिन्न कोर्स चुन सकते हैं। जो छात्र इस क्षेत्र की गहरी समझ विकसित करना चाहते हैं, वे बैचलर ऑफ डिजाइन या बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स जैसे 3-4 वर्षीय बैचलर डिग्री कोर्स कर सकते हैं। वहीं, यदि आप जल्दी नौकरी पाना चाहते हैं, तो 6 महीने से 1 साल के डिप्लोमा कोर्स या 3-6 महीने के सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं, जिनमें विशेष सॉफ्टवेयर जैसे कोरल ड्रॉ या फोटोशॉप पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है डिजाइनिंग के मुख्य टूल्स जैसे एडोब फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर और इनडिजाइन पर अपनी पकड़ मजबूत करना। साथ ही, अपने बेहतरीन डिजाइनों का एक प्रभावशाली पोर्टफोलियो तैयार करना बेहद जरूरी है, क्योंकि कंपनियां अक्सर आपकी डिग्री से पहले आपके काम को देखती हैं। कोर्स के दौरान या बाद में किसी एजेंसी में इंटर्नशिप करने से पेशेवर दुनिया के अनुभव मिलते हैं। अनुभव के साथ आप लोगो मेकिंग, वेब डिजाइनिंग या एनिमेशन जैसे किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। ग्राफिक डिजाइनर विज्ञापन एजेंसियों, आईटी कंपनियों, अखबारों, फिल्म इंडस्ट्री और ई-कॉमर्स जैसे कई क्षेत्रों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, फ्रीलांसिंग के जरिए भी अच्छी कमाई की जा सकती है। शुरुआत में एक फ्रेशर ग्राफिक डिजाइनर की सैलरी आमतौर पर 25,000 से 40,000 रुपये प्रति माह तक हो सकती है, जो अनुभव और कौशल बढ़ने के साथ काफी ज्यादा बढ़ जाती है।

बीईएल में युवाओं के पास अवसर

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) में युवाओं के लिए अवसर है। बीईएल ने मैनेजमेंट इंडस्ट्रियल ट्रेनी (प्रबंधन औद्योगिक प्रशिक्षु-एमआईटी) के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं। बीईएल के अनुसार योग्य उम्मीदवारों का चयन शैक्षणिक योग्यता और वॉक-इन-इंटरव्यू के आधार पर होगा। , चयनित उम्मीदवारों को शुरूआत में 25,000 रुपए, दूसरे वर्ष के लिए 27,000 रुपए और तीसरे वर्ष के लिए 30,000 रुपए दिये दिए जाएंगे। योग्यता -उम्मीदवारों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान या यूनिवर्सिटी से संबंधित पद अनुसार सीएमए (इंटरमीडिएट)/सीए (इंटरमीडिएट) उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसी के साथ ही उम्मीदवारों के पास अन्य निर्धारित पात्रता और कौशल का भी होनी चाहिए। उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 25 वर्ष तय की गई है, जिसकी गणना 1 अप्रैल के आधार पर की जाएगी। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारोंको नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में राहत दी जाएगी। बीईएल की ओर से वॉक-इन-इंटरव्यू 27 अप्रैल को सुबह 09.00 बजे से सीखने और विकास के लिए केंद्र, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, जलाहल्ली, बेंगलुरु - 560090 पते पर आयोजित किया जाएगा। ऐसे में जो उम्मीदवार इंटरव्यू में शामिल होने वाले हैं, उन्हें समय से परीक्षा स्थल पर पहुंचने के अलावा अपने साथ नोटिफिकेशन के माध्यम से मांगे गए सभी संबंधित डॉक्यूमेंट्स और उनकी हार्ड कॉपी को याद से साथ ले जाना होगा।

अंकों की दौड़ नहीं समझ और संतुलन की जरुरत

- सुनील कुमार महला

हाल ही में, बुधवार को 15 अप्रैल 2026 को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया, जिसमें इस वर्ष कुल 93.70त्न छात्र सफल हुए हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के 93.66त्न की तुलना में 0.04त्न अधिक है, जो परिणाम में हल्का किंतु सकारात्मक सुधार दर्शाता है। इस बार भी छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 94.99त्न पास प्रतिशत हासिल किया, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 92.69त्न रहा। वहीं ट्रांसजेंडर छात्रों का पास प्रतिशत 87.50त्न दर्ज किया गया, जो शिक्षा के क्षेत्र में सभी वर्गों की भागीदारी और प्रगति का संकेत देता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में 55,368 छात्रों ने 95त्न से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 2,21,574 छात्रों ने 90त्न से अधिक अंक हासिल किए, जो प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण और विद्यार्थियों की मेहनत को दर्शाता है। इसके साथ ही लगभग 14.7 लाख से अधिक छात्रों को 'कम्पार्टमेंट' श्रेणी में रखा गया है, जो यह दर्शाता है कि एक बड़ा वर्ग अभी भी सुधार की दिशा में प्रयासरत है। इस वर्ष परीक्षार्थियों की कुल संख्या पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी कम रही। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई ने इस बार भी टॉपर सूची जारी नहीं की और न ही फर्स्ट, सेकेंड या थर्ड डिवीजन की व्यवस्था अपनाई, ताकि छात्रों के बीच अनावश्यक तुलना और प्रतिस्पर्धा को रोका जा सके।

हालांकि, परीक्षा परिणाम बेहतर रहा है, लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रवृत्ति भी सामने आती है, जहां अभिभावक अपने बच्चों के अंकों की तुलना दूसरों से करने लगते हैं, जिससे बच्चों पर अनावश्यक दबाव बढ़ता है। वास्तव में, हर बच्चा अलग होता है-किसी की गणित और विज्ञान में पकड़ मजबूत होती है तो कोई कला, खेल या भाषा में उत्कृष्ट होता है। यदि बच्चों का मूल्यांकन केवल अंकों के आधार पर किया जाए, तो इससे उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और वे हीन भावना, तनाव तथा असफलता के भय से ग्रस्त हो सकते हैं। प्रतिस्पर्धा जीवन का हिस्सा अवश्य है, लेकिन वह तभी तक सकारात्मक है जब तक वह प्रेरणा देती है; जब यह दबाव और चिंता का कारण बनने लगे, तब यह मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए हानिकारक हो जाती है। इसलिए बच्चों को दूसरों से बेहतर बनने के बजाय स्वयं से बेहतर बनने की प्रेरणा देना अधिक उचित है। इस संदर्भ में माता-पिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें बच्चों के प्रयासों की सराहना करनी चाहिए, न कि केवल परिणामों पर ध्यान देना चाहिए। यदि बच्चा अपेक्षा के अनुरूप अंक प्राप्त नहीं कर पाता, तो उसे डांटने या तुलना करने के बजाय यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि सुधार की आवश्यकता कहां है। बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना, उनकी रुचियों और क्षमताओं को समझना तथा उसी दिशा में प्रोत्साहित करना ही सही मार्गदर्शन है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में अपेक्षाएं स्वाभाविक हैं, लेकिन जब अभिभावक अपनी अधूरी इच्छाएं बच्चों पर थोपते हैं, तो यह उनके व्यक्तित्व विकास में बाधा बनती हैं। हर बच्चा अपनी अलग पहचान और क्षमता लेकर आता है, इसलिए उस

पर अत्यधिक अपेक्षाओं का बोझ डालना उचित नहीं है। हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि अंकों की अंधी दौड़ बच्चों के समग्र विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सफलता का वास्तविक पैमाना केवल अंक नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल और प्रतिभा का विकास है। अत्यधिक दबाव के कारण बचपन प्रभावित हो रहा है और रचनात्मकता में कमी आ रही है, जबकि जीवन में आगे बढ़ने के लिए व्यावहारिक ज्ञान और कौशल अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि प्रसिद्ध व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक जॉन बी. वॉटसन ने बच्चों के विकास को लेकर एक चर्चित और विवादास्पद कथन दिया था-मुझे एक दर्जन स्वस्थ, अच्छी तरह विकसित शिशु दे दीजिए और उन्हें अपने वातावरण में पालने का अवसर दीजिए, तो मैं उनमें से किसी को भी डॉक्टर, वकील, कलाकार, व्यापारी, यहां तक कि भिखारी या चोर बना सकता हूं, चाहे उसकी जन्मजात प्रतिभा कुछ भी क्यों न हो। वास्तव में, इस कथन का मूल भाव यह है कि वे बच्चों के विकास में वातावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते थे। हालांकि आधुनिक मनोविज्ञान यह मानता है कि बच्चे के व्यक्तित्व और विकास में वंशानुगत गुण (हेरिडिटेरी ट्रेट्स) और वातावरण-दोनों का संतुलित योगदान होता है। यह विचार इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि सही माहौल और सकारात्मक प्रोत्साहन से बच्चों को बेहतर दिशा दी जा सकती है, न कि केवल दबाव डालकर। वास्तव में, हम सभी को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि बच्चे वास्तव में कच्चे घड़े की तरह होते हैं, जिन्हें जिस दिशा में मार्गदर्शन मिलता है, वे उसी रूप में ढलते चले जाते हैं। उनका मन कोमल, जिज्ञासु और सीखने के लिए सदैव तैयार रहता है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि उन्हें बचपन से ही सही संस्कार, संयम और सकारात्मक सोच दी जाए। यदि बच्चों में संयम विकसित किया जाए, तो वे कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखते हैं और जल्दबाज़ी में गलत निर्णय लेने से बचते हैं। इसके साथ ही आत्मविश्वास का विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आत्मविश्वासी बच्चे जीवन की चुनौतियों का सामना साहस और दृढ़ता के साथ करते हैं। जब माता-पिता और शिक्षक बच्चों को प्रोत्साहित करते हैं, उनकी छोटी-छोटी उपलब्धियों की सराहना करते हैं और असफलताओं में उनका साथ देते हैं, तब उनके भीतर एक मजबूत आत्मबल विकसित होता है। यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी और कर्तव्य है कि हम बच्चों को केवल पढ़ाई तक सीमित न रखें, बल्कि उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास पर ध्यान दें। सही दिशा, स्नेह और अनुशासन का संतुलन ही उन्हें एक सफल और जिम्मेदार इंसान बना सकता है। वर्तमान समय में परीक्षा का दबाव असामान्य रूप से बढ़ गया है, जहां अच्छे अंक लाने और दूसरों से आगे निकलने की होड़ बच्चों को मानसिक तनाव और चिंता की ओर धकेल रही है। कई बच्चे पढ़ाई को सीखने की प्रक्रिया के बजाय केवल अंक प्राप्त करने का साधन मानने लगते हैं, जिससे उनकी जिज्ञासा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास प्रभावित होता है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम, युवाओं को शिक्षा से सीधे रोजगार की ओर जोड़ती : जसविंद्र संधू

चिडाव, 24 अप्रैल (प्रवीन कुमार) : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान निसिंग के प्रधानाचार्य जसविंदर सिंह संधू ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना युवाओं को विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप का अवसर प्रदान कर उन्हें व्यावहारिक ज्ञान एवं रोजगार के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का माध्यम है, जो उन्हें शिक्षा से सीधे रोजगार की ओर जोड़ती है। शुक्रवार को निसिंग राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य जसविंदर सिंह संधू बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। प्रधानाचार्य जसविंद्र सिंह संधू ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि उद्योगों का अनुभव ही युवाओं को आत्मनिर्भर बनाता है। यह योजना उसी दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने सभी अनुदेशकों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने ट्रेड के विद्यार्थियों को इस योजना के प्रति जागरूक करें व अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ लेने के लिए प्रेरित करें, साथ ही, विद्यार्थियों को आवेदन प्रक्रिया, पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देने पर भी विशेष जोर दिया गया। संधू ने बताया कि बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि संस्थान स्तर पर समय- समय पर मार्गदर्शन सत्र एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी इस योजना से वंचित न रहे।

सभी लंबित जनशिकायतों का जल्द समाधान सुनिश्चित करें अधिकारी : डीसी

कैथल, 24 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविरों तथा अन्य पोर्टलों के माध्यमों से प्राप्त होने वाली शिकायतों व समस्याओं की समीक्षा बैठक की। डीसी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविरों में प्राप्त होने वाली शिकायतों को समयबद्ध निपटाएं तथा संबंधित नागरिक से संवाद कर उन्हें विभाग की कार्यवाही से अवगत कराकर संतुष्ट करें। डीसी अपराजिता ने कहा कि समाधान शिविर के दौरान अब तक 5681 में से 5119 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है। लंबित 37 शिकायतों के बारे में संबंधित विभागों के अधिकारियों से फीडबैक लेकर जल्द निपटाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द इन शिकायतों का समाधान करवाएं। यदि कोई लापरवाही मिलती है तो संबंधित विभागों के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसके अलावा महत्वपूर्ण 17 शिकायतों पर भी संबंधित विभागों के अधिकारियों से अपडेट लिया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी नियमित रूप से समाधान शिविरों की लंबित शिकायतों के समाधान के लिए कार्य करें तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी शिकायत ज्यादा दिन तक लंबित न रहे।

शिकायतों का यथासंभव उचित निपटारा किया जाये, क्योंकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा भी सभी शिकायतों की नियमित अंतराल पर समीक्षा की जाती है। इसके अलावा अधिकारी नियमित रूप से सीएम विंडो, एसएमजीटी, सीपीग्राम, जनसंवाद व समाधान शिविर के पोर्टल को चेक करें तथा यथाशीघ्र शिकायतों का निपटारा करें। इस मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पोषण पखवाड़ा के समापन पर आंगनबाड़ी केंद्र गुरूनानकपुरा में कार्यक्रम आयोजित

फतेहाबाद, 24 अप्रैल (अमन सेठी) : डीसी डॉ. विवेक भारती के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ब्लॉक फतेहाबाद सीडीपीओ कार्यालय के अंतर्गत 8वां पोषण पखवाड़ा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसका समापन समारोह आंगनबाड़ी केंद्र गुरूनानकपुरा में आयोजित किया गया। समापन समारोह के अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र, गुरूनानकपुरा में उपस्थित प्रतिभागियों महिलाओं एवं बच्चों को संतुलित आहार, स्वच्छता, स्तनपान के महत्व एवं बच्चों के समुचित विकास के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस पखवाड़े का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, किशोरियों एवं बच्चों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा कुपोषण को समाप्त करना रहा। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण रैली, स्वस्थ आहार प्रदर्शनी, बच्चों का वजन एवं ऊंचाई मापन, एनीमिया जांच तथा जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। सीडीपीओ स्नेहलता ने बताया कि 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों में दी जाने वाली सुविधाओं का मुख्य उद्देश्य यही है कि आज का बच्चा कल का सशक्त एवं जिम्मेदार नागरिक बन सके। साथ ही उन्होंने कहा कि पोषण पखवाड़ा का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक पोषण का संदेश पहुंचाना है, ताकि एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज का निर्माण किया जा सके। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को पोषण के प्रति जागरूक रहने एवं अपने परिवार में संतुलित आहार अपनाने का संदेश दिया गया।

हार्मनी इन नंबर्स, बैलेंस इन नेचर विषय पर सैमिनार का सफल आयोजन

शाहाबाद मारकंडा, 24 अप्रैल (रूबी) : सतलुज सीनियर सैकेंडरी स्कूल में आर्य कन्या महाविद्यालय द्वारा हार्मनी इन नंबर्स, बैलेंस इन नेचर विषय पर एक ज्ञानवर्धक सेमिनार का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कक्षा 9वीं और 11वीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को गणित और प्रकृति तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। इस सेमिनार में आर्य कन्या महाविद्यालय की ओर से डॉ. हेमा सुखीजा तथा इशिका के साथ छात्राएं अर्पिता, वंशिका सिंगला, सिमरनजीत कौर, नैन्सी, मधुदीप और सेजल ने संचालन किया। स्कूल प्राचार्य डॉ. आर. एस. घुम्मन ने कहा कि इस प्रकार के सेमिनार विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि गणित को प्रकृति से जोडक़र समझाना एक अभिनव पहल है। उन्होंने आर्य कन्या महाविद्यालय की टीम का आभार व्यक्त किया। डा. घुम्मन ने कहा कि इस आयोजन ने विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता का भाव विकसित किया है तथा उन्हें रचनात्मक सोच के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को आज की प्रमुख आवश्यकता बताते हुए युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। इस मौके पर विद्यालय के उप-प्राचार्य सतबीर सिंह तथा समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित था।

ट्रक अड्डे पर जाम की समस्या रोकने को पुलिस की सख्ती

यमुनानगर, 24 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में थाना ट्रैफिक की टीम लगातार यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के प्रयास कर रही है। इसी क्रम में थाना ट्रैफिक के एसएचओ संदीप कुमार द्वारा ट्रक अड्डा यमुनानगर में सभी ट्रांसपोर्टरों और दुकानदारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य सड़क पर खड़े होने वाले ट्रकों के कारण उत्पन्न होने वाली जाम की समस्या का समाधान करना था। एसएचओ संदीप कुमार ने ट्रांसपोर्टरों और दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने ट्रकों को सड़क पर खड़ा करने के बजाय अपनी-अपनी वर्कशॉप या निर्धारित स्थानों पर ही खड़ा करें। उन्होंने कहा कि सड़क पर खड़े ट्रकों के कारण आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है, जिससे यातायात व्यवस्था बाधित होती है। उन्होंने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में कोई भी ट्रक सड़क पर खड़ा पाया गया और उसके कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हुई, तो संबंधित ट्रांसपोर्टर के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा।

बैठक के दौरान ट्रांसपोर्टरों और दुकानदारों ने भी अपनी समस्याएं पुलिस के समक्ष रखीं और समाधान के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। कई ट्रांसपोर्टरों ने कहा कि वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करेंगे और अपने वाहनों को सड़क पर खड़ा नहीं होने देंगे। ट्रांसपोर्टों द्वारा जाम की इस समस्या को लेकर एक कमेटी गठित की गई और उन्होंने इसको लेकर एक व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया है। जिसमें अगर कोई भी गाड़ी सड़क पर खड़ी हुई तो उसकी फोटो खींचकर उचित कार्यवाही के लिए पुलिस को भेजी जाएगी। इस मौके पर इंद्रजीत सिंह, सतपाल सिंह, संजीव कुमार, काला लंबरदार, अनिल मिस्त्री, ट्रांसपोर्टर, दुकानदार, ट्रक चालक और कारीगर मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने सभी से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और शहर को जाम मुक्त बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

पुलिस की इस पहल से उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में ट्रक अड्डा क्षेत्र में जाम की समस्या में काफी हद तक कमी आएगी और आम जनता को राहत मिलेगी।

हर बूंद की कीमत समझें, जनसेवा में आए आगे : उपायुक्त डॉ. विरेंदर कुमार दहिया

पानीपत, 24 अप्रैल (हरप्रीत छतवाल) : भीषण गर्मी के मौसम में आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से जिले के 11 बैंकों ने एक सराहनीय पहल करते हुए जिला सचिवालय के हर तल पर आरओ युक्त ठंडे पानी के कूलर लगाने का निर्णय लिया है। यह कदम न केवल नागरिकों को गर्मी से राहत देगा, बल्कि जनसेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत करेगा। शुक्रवार को इन बैंकों के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त डॉ. विरेंदर कुमार दहिया से सचिवालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में मुलाकात कर इस योजना की जानकारी दी।

उपायुक्त डॉ विरेंदर कुमार दहिया ने इस जनहितकारी पहल का स्वागत करते हुए कहा कि गर्मी के इस प्रचंड दौर में ठंडा और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना किसी भी सेवा से कम नहीं है। यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा का सशक्त प्रयास है। उपायुक्त डॉ. दहिया ने कहा कि पानी जीवन का आधार है। बिना पानी के कोई भी जीवित प्राणी अपने अस्तित्व की कल्पना नहीं कर सकता। आज जब तापमान लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में शुद्ध और ठंडे पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बन जाती है। मैं इन सभी बैंकों को बधाई देता हूं जिन्होंने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए यह कदम उठाया है।

उपायुक्त ने कहा कि यह पहल केवल एक शुरुआत है, जिसका प्रभाव भविष्य में व्यापक रूप से देखने को मिलेगा। इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और अन्य संस्थाओं को भी प्रेरित करते हैं कि वे आगे आकर जनहित में योगदान दें। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में और भी समाजसेवी संस्थाएं इस दिशा में कदम बढ़ाएंगी। उपायुक्त ने जिले के अन्य समाजसेवियों, संस्थाओं और संगठनों से भी आह्वान किया कि वे इस पुण्य कार्य में भागीदारी निभाएं और समाज के कमजोर वर्गों के लिए पानी से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराने में अपना योगदान दें। उपायुक्त ने कहा कि जब समाज के सभी वर्ग एकजुट होकर कार्य करते हैं, तभी वास्तविक विकास संभव होता है। यह पहल उसी दिशा में एक मजबूत कदम है।

उपायुक्त ने बताया कि सचिवालय में पानी के कूलर लगाने का कार्य 8 मई तक पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, बैंकों के प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि इस कार्य को तत्काल प्रभाव से शुरू कर दिया जाएगा ताकि जल्द से जल्द आमजन को इसका लाभ मिल सके। इस अवसर पर एसडीएम मनदीप कुमार, एलडीएम जितेंद्र के अलावा विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें केनरा बैंक से मनीष आहूजा, एक्सिस बैंक से प्रवीण, आईसीआईसीआई बैंक से दिनेश, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से जोगिंदर, बैंक ऑफ इंडिया से वैभव, एचडीएफसी बैंक से यतिन और एसबीआई से आकाश सहित अन्य प्रतिनिधि शामिल थे।

विदित रहे कि जिले के इन 11 बैंकों द्वारा जनहित में की जा रही यह पहल आने वाले समय में एक मिसाल के रूप में देखी जाएगी। इससे न केवल लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की भावना भी मजबूत होगी। यह कहना गलत नहीं होगा कि इस पहल का प्रभाव भविष्य में व्यापक रूप से दिखाई देगा और अन्य संस्थाएं भी इससे प्रेरणा लेकर इसी प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यों में भागीदारी निभाएंगी।

नीट परीक्षा को लेकर अलर्ट, उपायुक्त ने तैयारियों की कमान कसी

पानीपत, 24 अप्रैल (हरप्रीत छतवाल) : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री श्री नायाब सैनी ने विडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी 19 जिलों के डीसी व एसपी को निर्देश दिए कि जिस भी जिले में यह परीक्षा आयोजित कि जा रही है वहां पर डीसी व्यापक प्रबंध करवाए, किसी परीक्षार्थी व उनके साथ आए अभिभावक को कोई समस्या ना आए। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर पीने के पानी कि व्यवस्था और एंबुलैंस की उपलब्धता पर विशेष ध्यान रखे।

सुरक्षा कि दृष्टि से भी परीक्षा केंद्रों के आस पास पैनी नजर रखी जाए, यदि किसी कारण से कोई परीक्षार्थी लेट हो रहा है यदि संभव हो तो 112 ऐसे परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग करे।

इस मौके पर उपायुक्त डॉ.विरेंदर कुमार दहिया ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कहा कि इस परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से करवाने को लेकर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। जिस भी अधिकारी कि डयूटी लगी है वह अपनी डयूटी गंभीरता से करे, लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नही होगी। परीक्षा के दौरान केंद्रो पर चैकिग के नाम पर परीक्षार्थी को तंग न किया जाए। डीसी ने निर्देश दिए है कि सभी परीक्षा केद्रों पर पीने के पानी, शौचालय, पखों की व्यवस्था कर ले। परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, परीक्षार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने और नकल जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष प्रबंध किए जाए। इस महत्वपूर्ण परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए अतिरिक्त उपायुक्त अंकित चौकसे को ओवरऑल इंचार्ज नियुक्त किया गया है, जो सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे।

प्रशासन द्वारा गठित जिला स्तरीय समन्वय समिति को भी सक्रिय कर दिया गया है। समिति परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक कंट्रोल, तथा आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी। उपायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि परीक्षा केंद्रों पर केवल वैध प्रवेश पत्र वाले अभ्यर्थियों को ही प्रवेश दिया जाए तथा मोबाइल, ब्लूटूथ जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा, पुलिस विभाग को परीक्षा शुरू होने से दो घंटे पहले ही तैनात रहने के निर्देश दिए गए हैं।

जिले में निर्धारित परीक्षा केंद्र- पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय, बिहोली, समालखा, गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जीटी रोड, पानीपत,एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मॉडल टाउन, जीएसएसएस, तहसील कैंप, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, सेक्टर-18, पानीपत जीएसएसएस, सिवाह इन केंद्रों पर बैठने, पानी, घड़ी, सुरक्षा और अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

जिले में नीट परीक्षा के लिए 7 परीक्षा केंद्र बनाए गए है, इन परीक्षा केंद्रों में 2686 परीक्षा देगे। परीक्षा का समय दोपहर बाद 2 बजे से 5 बजे तक रहेगा, परन्तु परीक्षा केंद्रों में एंट्री 11 बजे से 1.30 बजे तक रहेगी। परीक्षा के शांति पुर्वक आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा डयूटी मैजिस्टेट लगाए गए है, वही सुरक्षा कि दृष्टि से चप्पे चप्पे पर पुलिस की नजर रहेगे। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक भुपेद्र सिंह, सीईओ जिला परिषद डाक्टर किरण सिंह,एसडीएम मनदीप सिंह, एसडीएम समालखा अमित कुमार, डीएसपी सतीश वत्स, डीएसपी राजवीर सिंह, परीक्षा संयोजक भारती कुमारी, जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बुरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा जिला कार्यालय गीता कमल में नारी शक्ति वंदन अधिनियम विषय को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन

कुरुक्षेत्र, 24 अप्रैल (करणदीप सिंह) : भाजपा जिला कार्यालय गीता कमल में भाजपा जिलाध्यक्ष तजेंद्र सिंह गोल्डी की मौजूदगी मे नारी शक्ति वंदन अधिनियम विषय को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया जिसको प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शिनी सिंह द्वारा सम्बोधित किया गया। प्रियदर्शिनी सिंह ने कहा कि विपक्षी दलों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करके देश की आधी आबादी का अपमान करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इससे आज देश के सामने महिला हितों के विरोधियों का चेहरा स्पष्ट हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने संसद में इस महत्वपूर्ण विषय पर जिस प्रकार व्यवधान उत्पन किया वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है महिला के अधिकारों से जुड़े इस ऐतिहासिक अवसर पर भी राजनीति करना नारी शक्ति के सम्मान के अनुरूप नहीं है। प्रियदर्शनी सिंह ने विश्वास जताया कि देश की महिलाएं जागरूक हैं और वे यह भली-भांति समझती हैं कि कौन उनके सशक्तीकरण के लिए कार्य कर रहा है और कौन इसमें बाधा बन रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश की महिलाएं अपने अधिकारों और सम्मान के पक्ष में सशक्त निर्णय लेंगी और ऐसे कृत्यों का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब अवश्य देंगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष तजेंद्र सिंह गोल्डी ने कहा कि विपक्षी दलों ने जिस प्रकार माताओं और बहनों को उनका न्यायोचित हक देने से वंचित किया गया है उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा और अब देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली इस देश की महिलाएं अब कांग्रेस और उसके महिला विरोधी गठबंधन के खिलाफ दृढ़ता और एकजुटता के साथ खड़ी होंगी। महत्वपूर्ण विषय पर जिस प्रकार का व्यवधान उत्पन्न किया, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। महिलाओं के अधिकारों से जुड़े इस ऐतिहासिक अवसर पर भी राजनीति करना नारी शक्ति के सम्मान के अनुरूप नहीं है। मेयर ने विश्वास जताया कि देश की महिलाएं जागरूक हैं और वे यह भली-भांति समझती हैं कि कौन उनके सशक्तीकरण के लिए कार्य कर रहा है पत्रकार वार्ता में जिला परिषद चेयरमैन कंवलजीत कौर, मीडिया प्रभारी ललित माटा, जिला उपाध्यक्ष अनु माल्यान, थानेसर चेयरमैन माफी डांडा, रेखा बाल्मीकि, परमजीत कश्यप, रेणु खुग्गर, ज्योति खंगवाल, विजय लक्ष्मी, रीना सैनी , चंद्रकांता, कंचन, पूनम सैनी, विशेष तौर पर मौजूद रहे।

शहीद फायर कर्मियों के सम्मान में उठी नरवाना में आवाज, कृष्ण बेदी को सौंपा गया ज्ञापन

नरवाना, 24 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : हरियाणा अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर संघर्ष तेज करते हुए आज कैबिनेट मंत्री एवं नरवाना विधायक कृष्ण बेदी के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कर्मचारियों के साथ नगर पालिका कर्मचारी संघ, रिटायर्ड कर्मचारी संघ, सर्व कर्मचारी संघ तथा किसान नेताओं ने भी एकजुटता दिखाते हुए समर्थन दिया।धरना-प्रदर्शन के दौरान अध्यक्षता एलएफएम राममेहर ने की जबकि मंच संचालन ब्लॉक नरवाना प्रधान राजा सिंह गुरथली द्वारा किया गया। कर्मचारियों ने फरीदाबाद में हुए भीषण अग्निकांड में शहीद हुए फायर कर्मियों भवी चंद शर्मा और रणवीर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवारों के लिए न्याय की मांग उठाई।ब्लॉक प्रधान राजा सिंह गुरथली ने बताया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में शहीद फायर कर्मियों के परिवार को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को पक्की सरकारी नौकरी तथा दिवंगत कर्मचारियों को शहीद का दर्जा देने की मांग शामिल है।उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर पालिका कर्मचारी संघ सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित के आह्वान पर जब तक फायर कर्मचारियों की 22 सूत्रीय मांगें पूरी नहीं होतीं तब तक यह धरना-प्रदर्शन लगातार जारी रहेगा।इस मौके पर राज्य उपप्रधान सत्यवान सिंह पान्नू, प्रवीन कुमार, विरेंद्र सिंह, सोहन लाल, जयभगवान, कपिल, डॉ. सत्यवान नैन, शम्मी, प्रदीप कुमार, विनोद, रामनिवास, अंग्रेज सिंह, पवन कुमार, सुरेन्द्र सिंह, कमलजीत, सुभाष चंद, आकाशदीप, सुरेश सहित अनेक कर्मचारी धरने पर मौजूद रहे।

युवाओं के लिए सुनहरा मौका पीएम इंटर्नशिप योजना के तीसरे चरण के लिए पंजीकरण शुरू : ओम पाल जेस्ट

नरवाना, 24 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : देश के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तृतीय चरण के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह जानकारी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नरवाना के प्रधानाचार्य ओमपाल ने दी।उन्होंने बताया कि पीएम इंटर्नशिप पोर्टल का तीसरा चरण मार्च 2026 से शुरू हो चुका है, जो दिसंबर 2026 तक जारी रहेगा। इस चरण में देशभर के युवाओं को 1,10,000 इंटर्नशिप अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है।इस योजना के तहत चयनित युवाओं को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में 6 से 9 माह की इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। साथ ही उन्हें ?9,000 प्रतिमाह स्टाइपेंड और ?6,000 एकमुश्त अनुदान भी दिया जाएगा, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।योजना के लिए 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के वे युवा पात्र हैं, जिन्होंने 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा या ग्रेजुएशन (अंतिम वर्ष सहित) किया है या कर रहे हैं। इस इंटर्नशिप के माध्यम से अभ्यर्थियों को ऑटोमोटिव, एनर्जी, मैन्युफैक्चरिंग सहित करीब 25 विभिन्न सेक्टरों में काम सीखने का अवसर मिलेगा। प्रधानाचार्य ने सभी पात्र युवाओं से अपील की है कि वे समय रहते पीएम इंटर्नशिप पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए इच्छुक अभ्यर्थी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नरवाना के टीसीपीसी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। यह योजना युवाओं को कौशल विकास, अनुभव और रोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने का मजबूत मंच प्रदान कर रही है।

एसडीएम की अध्यक्षता में सुरक्षित स्कूल वाहन व्यवस्था पर अहम बैठक

रतिया, 24 अप्रैल (अमन सेठी) : शुक्रवार को एसडीएम सुरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में स्थानीय लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में सुरक्षित स्कूल वाहन व्यवस्थाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा, पुलिस, परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ निजी स्कूलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी स्कूल प्रबंधकों को निर्देश दिए कि वे अपने स्कूल वाहनों में सरकार द्वारा निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्कूल वाहन में जीपीएस सिस्टम, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र और सभी आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य रूप से होने चाहिए। साथ ही वाहन चालकों के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस, पर्याप्त अनुभव और पुलिस वेरिफिकेशन होना भी जरूरी है। एसडीएम ने पुलिस विभाग को समय-समय पर स्कूल वाहनों की जांच करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं परिवहन विभाग को नियमित निरीक्षण अभियान चलाने के लिए कहा गया, ताकि किसी भी अनियमितता पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैठक में एसडीएम ने यह भी निर्देश दिए कि निर्धारित सरकारी अवकाश के दिनों में किसी भी स्कूल को संचालित न किया जाए। आदेशों की अवहेलना करने वाले स्कूलों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने विभागों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाने और स्कूल वाहन सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

एचपीवी वैक्सीनेशन पर भी दिया विशेष जोर

बैठक में एसडीएम ने महिलाओं और किशोरियों में बढ़ते सर्वाइकल कैंसर के खतरे को देखते हुए एचपीवी वैक्सीन को बेहद जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) से बचाव करती है, जो इस गंभीर बीमारी का प्रमुख कारण है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को जागरूकता अभियान तेज करने और शिक्षा विभाग को स्कूलों में किशोरियों का डाटा तैयार कर साझा करने के निर्देश दिए। साथ ही पीटीएम के दौरान स्वास्थ्य टीमों को बुलाकर अभिभावकों और छात्राओं को जागरूक करने पर भी जोर दिया। एसडीएम ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को निर्धारित आयु में एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं, ताकि भविष्य में इस बीमारी के खतरे को कम किया जा सके। बैठक में उप सिविल सर्जन डॉ. भरत सिंह, ट्रैफिक मैनेजर सुरेन्द्र कुमार, टीआई विकास ठकराल, एसआई भीम सिंह, हेल्थ इंस्पेक्टर राजेश स्योकंद, प्रिसिंपल जगदीश गुप्ता, प्राइवेट स्कूल जिला प्रधान सैलेन्द्र गोस्वामी, स्कूल एसोसिएशन के कानूनी सलाहकार लोकेश खुराना, रतिया बस इंचार्ज राजकमल सहित अन्य अधिकारी व प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सार्थक कोहली डीईटीसी जिला परिषद के वार्ड नंबर 13 के उप चुनाव के लिए खर्च ऑब्जर्वर नियुक्त

पानीपत, 24 अप्रैल (हरप्रीत छतवाल) : सार्थक कोहली डीईटीसी (एक्स.) पानीपत को स्टेट इलेक्शन कमीशन, हरियाणा ने जिला पानीपत के जिला परिषद के वार्ड नंबर 13 के उपचुनावों के लिए इलेक्शन ऑब्ज़र्वर खर्च के तौर पर नियुक्त किया है। संबंधित ऑफिसर का फ़ोन नंबर 7700000004 है और ऑफ़िस का पता प्रथम तल, सीमा थिएटर पानीपत है। चुनाव के समय चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों द्वारा किए गए खर्चों को सार्थक कोहली डीईटीसी (एक्साइज) पानीपत मॉनिटर करेंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि जिला परिषद सदस्य के लिए ज़्यादा से ज़्यादा खर्च की लिमिट 6,00,000/- रूपये है। साथ ही, चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार को नॉमिनेशन फ़ाइल करने की तारीख से लेकर नतीजे घोषित होने की तारीख तक हुए खर्च का रोज का हिसाब रखना होगा।

26 अप्रैल को एचसीएस परीक्षा का आयोजन, परीक्षा केंद्रों के नजदीक धारा-163 रहेगी लागू

करनाल, 24 अप्रैल (सुनील कुमार) : जिलाधीश डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि 26 अप्रैल को एचसीएस परीक्षा के दृष्टिगत जिला में स्थापित परीक्षा केंद्रों के नजदीक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 लागू रहेगी। जारी आदेशों के अनुसार परीक्षा केंद्रों के परिसर और उनके 200 मीटर के दायरे तथा स्ट्रांग रूम के आसपास पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने और आग्नेयास्त्र, लाठी, तलवार, बरछा, कुल्हाड़ी, जेली, गंडासा, चाकू और अन्य हथियारों जैसे आपराधिक हथियारों को ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। यह आदेश ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों और अन्य लोक सेवकों तथा सिखों द्वारा धार्मिक प्रतीकों के रूप में प्रयुक्त मियान बंद कृपाणों पर लागू नहीं होगा। साथ ही, जिला में परीक्षा केंद्रों के आसपास 26 अप्रैल 2026 को सुबह 9.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक सभी फोटोकॉपी की दुकानों को खोलने पर भी प्रतिबंध रहेगा। इन आदेशों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 और अन्य लागू कानूनों के तहत दंडित किया जाएगा।

आज नामांकन का अंतिम दिन

जिला परिषद वार्ड नंबर 10 के लिए 4 और सरपंच पद के लिए 2, पंच पद के लिए 3 नामांकन पत्र हुए प्राप्त,

करनाल, 24 अप्रैल (यशपाल कादियान) : जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि जिला में स्थानीय निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के खाली पदों के उप चुनाव के लिए नामांकन 21 अप्रैल से शुरू हो चुका है। नामांकन पत्र 25 अप्रैल तक भरे जा सकते हैं। जिला में जिला परिषद वार्ड नंबर 10 के लिए आज 24 अप्रैल को 2 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया हैं। इनमें सलिंदर कुमार पुत्र कृष्ण चंद निवासी गढ़ी बीरबल और पाल सिंह पुत्र हरी राम निवासी दादूपुर रोडान शामिल हैं। अब तक इस वार्ड से 4 नामांकन पत्र प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि तरावड़ी पालिका के वार्ड नंबर आठ के उप चुनाव के लिए अभी तक कोई नामांकन पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

जिला प्रशासन ने शुरू किया ज्ञान दान बुक बैंक

जरूरतमंद व मेधावी विद्यार्थियों को फ्री में पुस्तक पहुंचाना प्रशासन का दायित्व : डीसी अपराजिता

कैथल, 24 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने कहा कि आप द्वारा दान की गई पुस्तकें जरूरतमंद व मेधावी विद्यार्थियों की जिंदगी बदल सकती हैं। पुस्तकों का दान भी बहुत बड़ा दान है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। अधिकारीगण, कर्मचारीगण व आमजन जनहित में किताबों का दान जरूर करें, जिससे किताबें खरीदने में असक्षम विद्यार्थियों को फ्री में किताबें उपलब्ध कराई जा सके। ऐसा करने से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और पढ़ाई करने की रूचि भी बढ़ेगी। डीसी अपराजिता शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में ज्ञान दान बुक बैंक की बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे रही थी। डीसी अपराजिता, एडीसी डॉ. सुशील कुमार, जिप सीईओ सुरेश राविश, एसडीएम कैथल संजय सिंह व अन्य अधिकारीगण ने ज्ञान दान बुक बैंक के नोडल अधिकारी छत्रपाल को सैकड़ों बुक दान दी। डीसी अपराजिता ने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष अपने-अपने विभागों से 100-100 पुस्तकें जरूर दान करें। उन्होंने आह्वान किया कि वे अपने निजी कोष से भी पुस्तकें खरीद कर या पुरानी पुस्तकों को डाइट कैथल में दान करें। आमजन कार्यदिवस के दौरान सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक जींद रोड स्थित डाइट में स्थापित किए गए ज्ञान दान बुक बैंक में पुस्तकें दान कर सकते हैं। इसके लिए छत्रपाल (डीएमएस) को नोडल अधिकारी बनाया गया है। डीसी ने आमजन की सुविधा को देखते हुए कहा कि वे अपने नजदीकी सरकारी स्कूल में भी पुस्तकें दान कर सकते हैं, इसके बाद यह सभी पुस्तकें ज्ञान दान बुक बैंक में पहुंच जाएंगी। उन्होंने रेडक्रॉस कार्यालय को निर्देश दिए कि वे ज्ञान दान बुक बैंक में पुस्तकों के सही रख-रखाव के लिए रैक उपलब्ध करवाएगा। डीसी अपराजिता ने कहा कि इन सभी पुस्तकों का रिकॉर्ड व्यवस्थित तरीके से किया जाएगा। प्रत्येक दानकर्ता द्वारा दी गई पुस्तकों का पूरा विवरण रखा जाएगा। भविष्य में इसके लिए एक मोबाइल एप बनाया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को पुस्तकें लेन-देन के लिए सुविधा उपलब्ध हो। यूपीएससी, एचपीएससी, नीट, जेई मेन, इंटरनेशनल ओलंपियाड, सीयूईटी, सीईटी, सीजीएल, सीपीटी, सीए, बैंकिंग, सैनिक स्कूल परीक्षा, आर्मी पब्लिक स्कूल परीक्षाएं आदि की तैयारियां के लिए पुस्तकें उपलब्ध करवाएं। जिला प्रशासन का उद्देश्य समाज में ज्ञान दान की भावना को प्रोत्साहित करना है। इस मौके पर एडीसी डॉ. सुशील कुमार, जिप सीईओ सुरेश राविश, एसडीएम कैथल संजय सिंह, डीडीपीओ रितु लाठर, डीईओ सुभाष कुमार, डीएसपी वीरभान, डी आई पी आर ओ नसीब सिंह, छत्रपाल के अलावा अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

हर वर्ग की समस्याओं का होगा निदान, विकास की गति करेंगे तेज : रेणु बाला

इंद्री, 24 अप्रैल (बिशपाल राणा) : महापौर रेणु बाला गुप्ता ने जिले में इंद्री क्षेत्र के संगोहा मंडल अंतर्गत विभिन्न शक्ति केंद्रों पर आयोजित बैठकों के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की दिशा में शासन प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। इससे प्रेरित होकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी जन संपर्क और जनसेवा में तेजी लाते हुए हर बूथ को मजबूत करने का संदेश चारों ओर पहुंचाना चाहिए। उन्होंने खेड़ी मानसिंह, बियाना एवं रन्दोली शक्ति केंद्रों पर आयोजित बैठकों में भाग लेते हुए कार्यकर्ताओं में नए उत्साह का संचार किया। खेड़ी मानसिंह शक्ति केंद्र में पहुंची महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से क्षेत्र की स्थिति और अलग-अलग पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र में घर-घर जाने और हर वर्ग के लोगों से नियमित रूप से संवाद करने की आवश्यकता पर बल दिया। क्षेत्र के बूथ नंबर 114, 115, 116 एवं 117 पर आयोजित बैठकों में उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने, बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने तथा आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की। इसके अलावा इंद्री क्षेत्र के बियाना शक्ति केंद्र में बूथ नंबर 127, 128, 129 एवं 130 तथा रन्दोली शक्ति केंद्र में बूथ नंबर 132, 133 एवं 134 पर आयोजित बैठकों में भी संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और जनसंपर्क अभियानों को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। सभी बैठकों में कार्यकर्ताओं के सुझावों को गंभीरता से सुना गया और उन्हें संगठन के प्रति समर्पण, अनुशासन एवं सक्रियता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि संगठन की असली ताकत बूथ स्तर का कार्यकर्ता होता है। जब हर बूथ मजबूत और सक्रिय होगा, तभी संगठन की नींव सुदृढ़ होगी और हम जन-जन तक अपनी विचारधारा को प्रभावी रूप से पहुंचा सकेंगे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य केवल संगठनात्मक विस्तार ही नहीं, बल्कि जनसेवा के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर और आसपास के क्षेत्रों में विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है, जिससे हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जनसंपर्क बढ़ाकर लोगों की समस्याओं को समझें और उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। बैठकों के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, प्रत्येक बूथ को सक्रिय करने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने को लेकर ठोस रणनीति तैयार की गई। कार्यकर्ताओं ने भी संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्रियंका कठपाल, मंडल अध्यक्ष राम मेहर शर्मा, कमलेश अरोड़ा सहित अन्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सुबह की सैर में मेयर ने लोगों की सुनीं समस्याएं, स्वच्छता व फिटनेस का दिया संदेश

यमुनानगर, 24 अप्रैल (दिनेश कुमार) : शहरवासियों से सीधा संवाद स्थापित करने और वार्ड स्तर की समस्याओं का समाधान करने को लेकर मेयर सुमन बहमनी ने शुक्रवार सुबह वार्ड नंबर सात के पार्षद प्रियंक शर्मा के साथ सेक्टर 17 में सुबह की सैर कर लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने सेक्टर 17 के स्वामी विवेकानंद पार्क में स्थानीय नागरिकों के साथ मुलाकात की उनके साथ व्यायाम किया। मेयर ने उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। मेयर सुमन बहमनी ने शुक्रवार सुबह पार्षद प्रियंक व अन्य लोगों के साथ सैर करते हुए सेक्टर 17 के स्वामी विवेकानंद पार्क पहुंचीं, जहां उन्होंने पार्क में मौजूद बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं से बातचीत की। लोगों ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, पार्क के रखरखाव, स्ट्रीट लाइट, पेयजल और अन्य स्थानीय समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। मेयर ने कहा कि वार्डों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा और नगर निगम जनता की सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है। मेयर सुमन बहमनी ने स्थानीय नागरिकों को नियमित दिनचर्या में योग, व्यायाम और सुबह की सैर को शामिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वच्छ वातावरण, दोनों एक बेहतर समाज की नींव हैं। यदि नागरिक स्वच्छता के प्रति जागरूक रहें और अपनी जीवनशैली में फिटनेस को अपनाएं तो शहर और समाज दोनों मजबूत बनेंगे। मेयर ने स्थानीय लोगों से अपने वार्ड को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने लोगों से घरों और सार्वजनिक स्थलों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, सूखा व गीला कचरा अलग अलग करके निगम के वाहनों में डालने, दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। पार्षद प्रियंक शर्मा ने कहा कि वार्ड में नियमित रूप से जनसमस्याओं के समाधान के प्रयास किए जा रहे हैं और मेयर के साथ इस तरह का सीधा संवाद लोगों के लिए लाभकारी साबित होगा। मौके पर स्थानीय नागरिकों ने मेयर की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों का इस तरह जनता के बीच पहुंचना सकारात्मक संदेश देता है। लोगों ने वार्ड में विकास और जन सुविधाअं को लेकर सुझाव भी दिए।

विधायक जगमोहन आनंद विधानसभा क्षेत्र के विकास की गति को तेज करने के लिए निरंतर प्रयासरत

करनाल, 24 अप्रैल (संदीप रोहिला) : करनाल विधानसभा क्षेत्र विधायक जगमोहन आनंद के प्रयास से विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। आए दिन विधायक द्वारा अपने क्षेत्र के विकास को लेकर शासन व प्रशासन के समक्ष नई-नई परियोजनाओं को अमली जामा पहनाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को विधायक जगमोहन आनंद व मेयर रेनू बाला गुप्ता ने संयुक्त रूप से शहर में विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया और जनता को करीब 1 करोड़ 28 लाख 11 हजार रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। इस मौके पर विधायक जगमोहन आनंद व मेयर रेनू बाला गुप्ता का शहर के नागरिकों व विभाग के अधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया और आभार जताया। विधायक जगमोहन आनंद व मेयर रेनू बाला गुप्ता ने इस दौरान 43.55 लाख रुपये की लागत से ग्रीन बेल्ट सेक्टर-13, 14 एवं 6 में चारदीवारी की मरम्मत, ग्रिल फेंसिंग, एमएस गेट एवं अन्य संबंधित कार्य, 41.91 लाख रुपये की लागत से सेक्टर-13 एवं 14 में वॉकिंग पाथ का नवीनीकरण, चेकरड टाइल्स एवं इंटरलॉकिंग पावर ब्लॉक्स का कार्य, 42.75 लाख रुपये की लागत से गार्डन बेंच, डस्टबिन, रेन शेल्टर एवं मल्टी प्ले स्टेशन की स्थापना (प्रक्रियाधीन) विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि यह कार्य मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ है, जो करनाल के समग्र विकास को नई दिशा देने का कार्य करेगा। यह परियोजना न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाएगी, बल्कि नागरिकों को बेहतर और व्यवस्थित सुविधाएं भी प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि करनाल परिवारजनों की सेवा और शहर के निरंतर विकास के लिए हम सभी संकल्पित हैं। इस अवसर पर सम्पदा अधिकारी अदिति, हॉर्टीकल्चर की कार्यकारी अभियंता डॉ. निधि भारद्वाज, कैलाश चंद गुप्ता, पार्षद संकल्प भंडारी व गौरव नागपाल, विकास कथूरिया, जिला उपाध्यक्ष प्रियंका कठपाल सहित वार्डवासी उपस्थित रहे।

एंटी व्हीकल थेप्ट सेल टीम ने बाइक चोर को किया गिरफ्तार

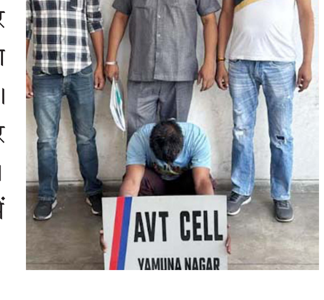

यमुनानगर, 24 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस की एंटी व्हीकल थेप्ट सेल की टीम ने नाकाबंदी के दौरान से एक युवक को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरी की एक बाइक बरामद हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इंचार्ज राजेश कुमार ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी एक युवक चोरी की बाइक को लेकर कलानौर बॉर्डर होता हुआ जाएगा। इस सूचना के आधार पर एएसआई हुसन, मुख्य सिपाही रणधीर सिंह, जितेंद्र, संदीप, योगेश के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने मौके पर जाकर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ देर बाद एक युवक बाइक में आता दिखाई दिया। टीम ने उसे रोककर जांच की तो उनके पास से चोरी की बाइक बरामद हुई। आरोपी ने यह बाइक 18 अप्रैल को थाना व्यासपूर क्षेत्र से चोरी की थी। पूछताछ में जिसकी पहचान गांव चंदाखेड़ी वासी लक्की उर्फ लाला पुत्र वेद प्रकाश के नाम से हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इंचार्ज ने बताया कि आरोपी पर पहले भी चोरी के करीब 11 मुकदमे दर्ज है जो न्यायालय में विचाराधीन है।

उत्तर रेलवे

अंबाला मंडल में स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फैसिलिटेटर्स की नियुक्ति के लिए विज्ञापन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तरी रेलवे, अम्बाला, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, आम जनता से सीलबंद आवेदन आमंत्रित करते हैं, ताकि अम्बाला मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन **(ATVM)** के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फसिलिटेटरों की नियुक्ति की जा सके। यह अनुबंध वास्तविक कार्यारंभ की तिथि से प्रभावी होगा तथा एक वर्ष की अवधि के लिए मान्य रहेगा, जिसे अधिकतम दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। अंबाला मंडल में **ATVM** के स्थानों की सूची निम्नानुसार है:

क्र. सं.	स्टेशन का नाम	स्टेशन कोड	स्थापित ATVM की सं.	नियुक्त किए जाने वाले फैसिलिटेटर्स की संख्या	स्टेशन श्रेणी	सुरक्षा जमा
1	अम्बाला कैंट	UMB	2	03	NSG-2	50,000/-
2	चंडीगढ़	CDG	2	04	NSG-2	
3	सहारनपुर	SRE	3	06	NSG-3	25,000/-
4	यमुनानगर जगाधरी	YJUD	1	02	NSG-3	
5	बराड़ा	RAA	1	02	NSG-5	
6	अम्बाला सिटी	UBC	1	02	NSG-5	
7	राजपुरा	RPJ	1	02	NSG-4	
8	सरहिंद	SIR	1	03	NSG-4	
9	खन्ना	KNN	1	02	NSG-5	
10	कालका	KLK	1	03	NSG-3	
11	पटियाला	PTA	1	02	NSG-4	
12	नाभा	NBA	1	02	NSG-5	
13	धूरी	DUI	1	02	NSG-5	
14	बरनाला	BNN	1	02	NSG-5	
15	मलेरकोटला	MET	1	02	NSG-5	
16	रूपनगर	RPAR	1	02	NSG-5	
17	आनंदपुर साहिब	ANSB	1	03	NSG-5	
18	नंगल डैम	NLDM	1	02	NSG-5	
19	रामपुरा फूल	PUL	1	02	NSG-5	
20	अबोहर	ABS	1	03	NSG-4	
21	गिद्दड़बाहा	GDB	1	02	NSG-5	
22	मलोट	MOT	1	02	NSG-5	
23	संगरूर	SAG	1	02	NSG-5	
24	सुनाम उधम सिंह वाला	SFMU	1	02	NSG-5	
25	ऊना हिमाचल	UHL	1	02	NSG-4	
26	अम्ब अंदौरा	AADR	1	02	NSG-4	
27	शिमला	SML	1	02	NSG-5	
28	गोविंदगढ़	GVG	1	02	NSG-5	

कार्य का विवरण	अनुबंध अवधि	निविदा प्रपत्र की लागत	निविदा जमा करने की तिथि
कार्य की प्रकृतिः अंबाला मंडल के 28 स्टेशनों पर स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फैसिलिटेटर्स को आवंटन के आधार पर नियुक्त करने के लिए निविदा।	एक वर्ष के लिए मान्य अधिकतम दो वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है।	निः शुल्क	25.05.26 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 14:00 बजे तक

महत्वपूर्ण तिथियाँ	
निविदा जारी होने की तिथि	24.04.26
निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि एवं समयः	25.05.26 (10:00 बजे से 14:00 बजे तक)
निविदा बॉक्स बंद होने की तिथि एवं समय	25.05.2026 को 15:00 बजे
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	25.05.2026 को 15:30 बजे
कार्यालय का पता एवं निविदा दस्तावेज उपलब्धता	आवेदन पत्र (नियम एवं शर्तों सहित) उत्तरी रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है तथा इसे **24.04.2026** को **13:00** बजे से डाउनलोड किया जा सकता है।

No: NR-UMBOCOML/1/2025 (284713) **Dated: .04.2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ **1367/2026**

जल हैं तो कल है दा कोणाक अकादमी मे जल ‘पखवाड़ा’ के माध्यम सें जल सरक्षण का दियां सदेश

बाबैन, 24 अप्रैल (राजेश) : लाडवा बाबैन रोड पर स्थित कोणार्क अकादमी में 16 अप्रैल से चल रहे चल पखवाड़ा का आयोजन आज बड़े ही उत्साह एवं जागरूकता के साथ किया किया गया लगातार चल रहे इस अभियान का शुभारंभ आज प्रार्थना सभा के साथ अत्यंत गरिमाया वातावरण में हुआ जिसमें विद्यार्थियों शिक्षकों एवं अभिभावकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया प्रार्थना सभा के उपरांत विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जल संरक्षण का प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किया बच्चों ने चित्रकला पोस्टर स्लोगन तथा लघु परिस्थितियों के जरिए यह दर्शाया कि जल हमारे जीवन का अमूल्य आधार है और इसका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है विद्यालय की प्रधानाचार्य महोदय अंजनी सिंह ने अपने मुख्य संबोधन में कहा कि जल प्रकृति के अमूल्य धरोहर है जिसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव है वर्तमान समय में बढ़ते जल संकट को देखते हुए हम सभी का दायित्व है कि जल का अत्यंत विवेकपूर्ण उपयोग करें हमें अपने दैनिक जीवन में छोटी-छोटी सावधानियां अपनानी होगी जैसे अनावश्यक रूप से नल नाक खुला छोड़ने जल का पुण्य उपयोग करना तथा वर्षा जल संचयन का अपनाना यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझकर कार्य करें तो हम इस

संकट से न केवल बच सकते हैं बल्कि आने वाली पीढियां के लिए एक सुरक्षित भविष्य निश्चित कर सकते हैं इस जल पखवाड़ा के अंतर्गत लगातार 16 अप्रैल से चल रहे प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है इसमें चित्रकला, निबंध लेखन, पोस्टर निर्माण,स्लोगन लेखन, भाषण प्रतियोगिता, रैली एवं नाट्य प्रस्तुतियों शामिल है इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी समाज को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करेंगे और एक सकारात्मक संदेश देंगे निदेशक महोदय श्री एस एस शर्मा जी ने अपने प्रेरणादारीय संबोधन में कहा कि जल संरक्षण आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है यह केवल एक पर्यावरण में विषय नहीं बल्कि मानव अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न है प्रत्येक विद्यार्थी को अपने कर्तव्य के प्रति सजक रहकर जल की प्रत्येक बूंद का सम्मान करना चाहिए जब विद्यार्थी स्वयं जागरूक बनेंगे तभी वह समाज को भी जागरूक कर पाएंगे हमें यह समझना होगा कि जल की बचत ही भविष्य की सुरक्षा है और इसके लिए सामूहिक प्रयास ही सबसे प्रयास उपाय है उन्होंने आगे कहा कि कोणार्क परिवार का प्रत्यक्ष सदस्य जल संरक्षण के इस अभियान का सक्रिय भागीदार बने और समाज में एक सकारात्मक संदेश फैलाएं ताकि जल है तो कल है का संकल्प वास्तविकता में परिवर्तित हो सके।

बीवीएम स्कूल में छप-छप खुशियों की बौछार नन्हें बच्चों ने सीखा स्पलेश वैश

बरनाला, 24 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में प्लेवे कक्षा के विद्यार्थियों के लिए ‘स्प्लैश बैश’ पर आधारित एक आनंदमय और अनुभवात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पानी के साथ खेलते हुए सीखने का अद्भुत अनुभव प्राप्त किया। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य बच्चों को जल के प्रति सहजता, संवेदनशीलता और आनंद का अनुभव कराना था, साथ ही उनके संवेदी विकास को प्रोत्साहित करना भी इसका मुख्य लक्ष्य रहा।कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पानी से भरे टब उपलब्ध कराए गए, जिनमें उन्होंने अपने हाथों से छप-छप करते हुए खेला। यह ध्यान रखा गया कि बच्चे पानी के अंदर न जाएं, बल्कि केवल हाथों से पानी को स्पर्श करते हुए उसका अनुभव करें। विद्यालय के चेयरमैन श्री प्रमोद अरोड़ा जी ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा में बच्चों को स्पर्श और अनुभव के माध्यम से सीखने का अवसर देना अत्यंत आवश्यक है, जिससे उनकी समझ अधिक गहरी होती है। विद्यालय की डायरेक्टर

श्रीमती गीता अरोड़ा जी, श्री निखिल अरोड़ा जी एवं श्रीमती नेहुल अरोड़ा जी ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सत्र बच्चों में जिज्ञासा, आत्मविश्वास और सीखने की रुचि को बढ़ाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय बच्चों के लिए सुरक्षित और रचनात्मक वातावरण प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है।इसके पश्चात विद्यालय की प्रिंसीपल श्रीमती मनिंदरजीत कौर धालीवाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि पानी के साथ इस प्रकार का नियंत्रित और सुरक्षित अनुभव बच्चों के संवेदी और भावनात्मक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से बच्चे हर अनुभव से कुछ नया सीखते हैं।पूरे सत्र के दौरान बच्चों का उत्साह और आनंद देखते ही बनता था। उन्होंने पूरी तन्मयता के साथ भाग लेते हुए इस अनुभव का भरपूर आनंद लिया।इस प्रकार, बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित ‘स्प्लैश बैश’ सत्र नन्हे विद्यार्थियों के लिए सीख और आनंद का सुंदर संगम सिद्ध हुआ, जिसने उनके प्रारंभिक विकास को एक नई दिशा प्रदान की और उनके बचपन को और भी रंगीन बना दिया।

मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य कर्मी गंभीरता के साथ करें कार्य : डीसी

कैथल, 24 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने कहा कि अभी गर्मी का मौसम चल रहा है। ऐसे में मलेरिया की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व स्वास्थ्य कर्मी गंभीरता के साथ कार्य करें। स्थिति पर पैनी नजर बनाकर रखें। सभी सरकारी अस्पतालों में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया की जांच व उपचार पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध रहेगा। लेकिन प्राइवेट लैब में डेंगू व चिकनगुनिया (एलाइजा टेस्ट) की अधिकतम दर 600 निर्धारित की गई है। सुनिश्चित करें कि कोई भी निजी अस्पताल व लैब संचालक निर्धारित रेट से ज्यादा वसूल न करें। अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने आमजन से भी सहयोग की अपील की है कि वे अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखें। डीसी अपराजिता लघु सचिवालय स्थित सभागार में स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दे रहीं थीं। डीसी ने अधिकारियों व आमजन का आह्वान किया कि वे अपने-अपने कार्यालयों व घरों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। आसपास पानी जमा न होने दें, क्योंकि खड़े हुए पानी में ही मच्छर पनपता है। सामूहिक प्रयासों से ही जिले को मच्छर जनित बीमारियों से मुक्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मलेरिया संक्रमित मादा एनाफलीज नामक मच्छर के काटने से फैलता है। प्रत्येक रविवार को ‘ड्राई डे’ के रूप में मनाएं। इस दिन कूलर, गमले, पानी के बर्तन व हौदियों को खाली कर सुखाने के निर्देश दिए गए।

यदि किसी घर या कार्यालय में मच्छरों के लार्वा पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ चालान किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे पूरी बाजू के कपड़े पहनने, मच्छरदानी का उपयोग करें। यदि किसी व्यक्ति को ठंड लगकर तेज बुखार आना, सिरदर्द या बदन दर्द जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या चिकित्सक से संपर्क करें। इस अवसर पर सिविल सर्जन डा. रेणु चावला सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

वाई एस स्कूल ने कंफर्ट टॉक के माध्यम से नए छात्रों के साथ मजबूत जुड़ाव स्थापित किया

बरनाला, 24 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) नए विद्यार्थियों के साथ कम्फर्ट टॉक विद्यार्थियों के समुचित मार्गदर्शन और भावनात्मक समायोजन की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए, वाई एस स्कूल ने अपने नए विद्यार्थियों के लिए एक स्नेहपूर्ण कम्फर्ट टॉक सेशन का आयोजन किया। माननीय प्राचार्या, श्रीमती बिम्मी पुरी ने सभी विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें विद्यालय परिवार का अभिन्न हिस्सा होने का अहसास कराया। यह सत्र एक इंटरएक्टिव ओरिएंटेशन एवं काउंसलिंग आधारित संवाद के रूप में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, भावनात्मक सुरक्षा और संस्थान से जुड़ाव की भावना को विकसित करना था। एक सहज और मित्रवत वातावरण में, श्रीमती बिम्मी पुरी ने विद्यार्थियों से व्यक्तिगत रूप से संवाद किया और उन्हें अपने विचार, भावनाएँ तथा विद्यालय से जुड़े प्रारंभिक अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया—जो संचार कौशल और

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के विकास में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों की सामान्य जिज्ञासाओं और चिंताओं को सहानुभूति और स्पष्टता के साथ संबोधित करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक प्रणाली, मूल्य-आधारित शिक्षा, आचार-संहिता एवं अनुशासन के सिद्धांतों से अवगत कराया। साथ ही, समग्र विकास, आत्म-प्रेरित अधिगम, मानसिक स्वास्थ्य, सहयोगात्मक सीखने और सकारात्मक कक्षा सहभागिता के महत्व पर भी विशेष जोर दिया।

यह पहल एक सुरक्षित और समावेशी शिक्षण वातावरण के निर्माण में सफल रही, जिससे विद्यार्थियों का संकोच दूर हुआ और विद्यालय के प्रति विश्वास मजबूत हुआ। विद्यार्थियों ने अपनी प्रसन्नता और उत्साह व्यक्त करते हुए सीखने की इस नई यात्रा में सक्रिय भागीदारी के लिए अपनी तत्परता दिखाई। वाई एस स्कूल अपने विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी, मूल्य-आधारित और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है।

इस प्रकार की पहलें संस्थान की उस दूरदर्शी सोच को सुदृढ़ करती हैं, जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी को सुना, समझा और प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की ओर अग्रसर हो सके।

अर्थ-डे पर ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल में प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन

कुरुक्षेत्र, 24 अप्रैल (करणदीप सिंह) : ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल, सलपानी में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग तथा पृथ्वी को सुरक्षित रखने के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। सभा के दौरान विद्यार्थियों ने हिंदी एवं अंग्रेजी भाषणों के माध्यम से पर्यावरण बचाओ, जीवन बचाओ, गो ग्रीन और पेड़ लगाओ, धरती बचाओ जैसे संदेश दिए। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कक्षाओं के लिए अनेक रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कक्षा पहली व दूसरी के लिए च्रंग भरो, कक्षा तीसरी के लिए

क्राफ्ट, कक्षा चौथी व पांचवीं के लिए मोसाइक मेकिंग, पेंसिल शेडिंग तथा ड्राइंग एंड पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वहीं कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए च्रीसायकल आर्ट, फेस पेंटिंग, लिपन आर्ट तथा कैनवास पेंटिंग प्रतियोगिताएं आकर्षण का केंद्र रहीं। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा पहली से नीरज प्रथम, अंबरप्रीत, यशिका द्वितीय, जन्नत और परीषा तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा दूसरी से मनराज सिंह, मेहताब दैविक प्रथम, समर वीर, कीरत द्वितीय और नेविन, अनिकेत, विवान, जसलीन कौर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कक्षा तीसरी बोलोसे एक मनदीप कौर,आरवीं प्रथम, मन्नत, आव्या द्वितीय और इनायतप्रीत कौर, गुरजोत सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा चौथी से परमवीर काजल प्रथम, पांचवी से मंसिरत, निमरप्रीत प्रथम, तन्वी चौथी से, गुरसेवक पांचवी से द्वितीय और नवप्रीत पांचवी, रूबल प्रीत चौथी से तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा चौथी से नयन प्रथम, चौथी से समरित द्वितीय, चौथी से महक दीप, पांचवी से पर्व प्रताप तृतीया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कैनवास पेंटिंग में कक्षा छठी की प्रियंशी एवं गुरसीरत कौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सातवीं के हरजस एवं प्राची सिंगला द्वितीय तथा सातवीं की याजस्वी एवं आठवीं के जोबनप्रीत सिंह व अरमान सिंह तृतीय स्थान पर रहे। फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में सातवीं के एकम सिंह प्रथम, तक्षित एवं हैनी द्वितीय तथा आठवीं के मयंक सैनी एवं ईशान तृतीय स्थान पर रहे। रीसायकल आर्ट में सातवीं के केशव एवं समरदीप कौर प्रथम, आठवीं के गुरशरण कौर एवं युवराज द्वितीय तथा छठी के यक्षित, हेमा व अर्पणदीप तृतीय स्थान पर रहे। लिपन आर्ट में आठवीं की प्रभनूर कौर एवं सातवीं की आराध्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अन्य प्रतिभागियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्या ने सभी विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस प्रकार यह आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना भी जागृत करने में सफल रहा।

वाईएस के लिए एक और विकल्प चुनें यह सब ठीक है

बरनाला, 24 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) वाई एस स्कूल बरनाला ने नेचर क्लब बरनाला के साथ मिलकर एक नई पहल की। श्री सकुल कौशल और श्री सुमित बंसल के नेतृत्व में युवा छात्रों के बीच पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने के लिए यह साझेदारी की गई है।इस अवसर पर जूनियर नेचर क्लब की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य छात्रों को

वास्तविक जीवन में पर्यावरण संबंधी गतिविधियों से जोड़ना है। छात्रों ने आसपास के रिहायशी इलाकों में पक्षियों के लिए घोंसले लगाकर स्थानीय पक्षियों के संरक्षण में योगदान दिया। इस पहल का मकसद शहरी वन्यजीवों के संरक्षण को बढ़ावा देना और पक्षी-अनुकूल वातावरण तैयार करना है। इसके साथ ही छात्रों और नेचर क्लब के सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया, ताकि हरे-भरे क्षेत्र को और अधिक समृद्ध बनाया जा सके। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों ने जैव विविधता, संरक्षण और टिकाऊ जीवन के महत्व को व्यावहारिक रूप से सीखा। यह गतिविधि स्कूल की प्रयोगात्मक शिक्षा और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को दर्शाती है। स्थानीय समुदाय के साथ भी छात्रों की भागीदारी मजबूत हुई, जब उन्होंने वहां रहने वालों के साथ मिलकर इस पहल को आगे बढ़ाया। यह आयोजन युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने और भविष्य के लिए प्रकृति की रक्षा करने के लिए प्रेरित करता है।

कौल कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी एआई और डिजिटलीकरण पर मंथन, 550 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

निसिंग, 24 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : बाबू अनन्त राम जनता कॉलेज कौल के अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था, शासन और नीति पर डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव विषय पर एक दिवसीय अंतरविषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी (हाइब्रिड मोड) का सफल आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी निदेशालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, पंचकूला की स्वीकृति तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सौजन्य से प्रायोजित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंध समिति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह ने की, जबकि आयोजन प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। चौधरी तेजवीर सिंह ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंच विद्यार्थियों और शोधार्थियों को वैश्विक स्तर पर सीखने का अवसर प्रदान करते हैं और महाविद्यालय की शैक्षणिक पहचान को मजबूत करते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार लेफ्टिनेंट (डॉ.) वीरेंद्र पाल ने भाग लिया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटलीकरण और (एआई) के समुचित उपयोग से शिक्षा प्रणाली अधिक प्रभावी, समावेशी और भविष्य उन्मुख बन सकती है। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वर्गीय बाबू अनंत राम एवं चौधरी ईश्वर सिंह को पुष्पांजलि अर्पित कर तथा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने स्वागत भाषण में महाविद्यालय की उपलब्धियों और शोध-उन्मुख वातावरण पर प्रकाश डालते हुए संगोष्ठी की प्रासंगिकता को

रेखांकित किया। संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. अमनदीप ने विषय की उपयोगिता बताई, जबकि प्लेनरी सत्र का संचालन डॉ. कुसुम कांगर ने किया। मंच संचालन डॉ. राधिका खन्ना एवं डॉ. सुरभि अदलखा ने किया।

उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) मदन मोहन गोयल ने एआई और डिजिटलीकरण के वैश्विक अर्थव्यवस्था एवं नीतिनिर्माण पर प्रभावों को विस्तार से समझाया। प्रो. जयंती दत्ता (पंजाब विश्वविद्यालय) ने एआई के अवसरों और चुनौतियों पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। अंतरराष्ट्रीय वक्ता प्रो. राम कुमार फुयाल (नेपाल) ने विषय के वैश्विक महत्व को रेखांकित किया।

इसके अलावा डॉ. स्मिता शर्मा ने एआई के सामाजिक और नैतिक पहलुओं पर चर्चा की, जबकि प्रो. हर्बर्ट बी. रोसाना (फिलीपींस) ने वर्चुअल माध्यम से डिजिटल तकनीकों की वैश्विक शांति और सुरक्षा में भूमिका पर विचार रखे। सत्र की अध्यक्षता प्रो. (डॉ.) नीरा वर्मा ने की। दोपहर बाद दस समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विशेषज्ञों ने शोध-पत्रों का मूल्यांकन किया। पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता में 24 टीमों ने भाग लिया। कुल 550 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, यूके, जर्मनी सहित कई देशों के प्रतिभागी शामिल रहे। इस दौरान 70 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए। समापन सत्र में शोध और नवाचार के महत्व पर बल देते हुए प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए और पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया। राष्ट्रगान एवं धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संगोष्ठी का सफल समापन हुआ। प्रबंध समिति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह ने इस सफल आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी।

जरूरतमंदो की सेवा परमात्मा की सच्ची सेवा हैं : हरीश कुमार

शाहाबाद मारकंडा, 24 अप्रैल (रूबी) : राजकीय माध्यमिक विद्यालय किशनगढ़ में गाँव के समाजसेवी सरदारा सिंह व उनके पुत्र इंजीनियर अमरदीप सिँह की ओर से जरूरतमंद विद्यार्थियों को वर्दी वितरित की गई। इस अवसर पर एक सादे समारोह में सर्वप्रथम विद्यालय प्रशासन की ओर से सरदारा सिंह व उनके परिवार के सदस्यों का स्वागत किया गया। एस.एस. अध्यापक हरीश कुमार ने अतिथियोंको विद्यालय में बच्चों को दी जा रहीं सुविधाओं व गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के बारे में जानकारी दी। हरीश कुमार ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा परमात्मा की सच्ची सेवा है। सरदारा सिंह ने कहा कि उनके पुत्र अमरदीप सिंह जोकि इसी विद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं, उनकी ओर से अपने विद्यालय की सेवा स्वरुप बच्चों को यह वर्दिर्यं वितरित की जा रहीं हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी वह इसी प्रकार विद्यालय की सेवा करते रहेंगे।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर ग्राम सभा और जागरूकता एवं कचरा प्रबंधन विषयक कार्यक्रम आयोजित

करनाल, 24 अप्रैल (सोनी दुआ) : जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित कुमार के निर्देशानुसार तथा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी मोनिका के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत स्तर पर राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर सरपंच पूर्ण सिंह की अध्यक्षता में एक ग्राम सभा और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डीपीएम स्वच्छ भारत मिशन राजकुमार संधू ने बताया कि पंचायती राज व्यवस्था लोकतंत्र की जड़ है, जो गांव स्तर पर लोगों को

निर्णय लेने का अधिकार प्रदान करती है। उन्होंने 73वें संविधान संशोधन (1992) के बारे में बताते हुए कहा कि इस संशोधन के माध्यम से पंचायतों को संवैधानिक दर्जा मिला, जिससे उन्हें गांव के समग्र विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की शक्ति प्राप्त हुई।

ग्राम सभा को सर्वोच्च मानते हुए उन्होंने ग्रामीणों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। इस अवसर पर ब्लॉक कोऑर्डिनेटर पूर्ण चंद सैनी ने बताया कि स्वच्छ और स्वस्थ गांव के निर्माण के लिए कचरे का सही निपटान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने घर-घर कचरा अलग-अलग (गीला व सूखा) रखने, समय पर निस्तारण, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत स्तर पर कचरा प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था से बीमारियों को रोका जा सकता है और पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पंचायत की योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया और उन्हें ग्राम विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं ग्रामीणों का धन्यवाद करते हुए गांव को स्वच्छ, सशक्त और विकसित बनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर ग्राम सचिव सुरेंद्र गोस्वामी, पच रवि राणा दीपक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता गीता सुदेश वीना और गांव के मातृशक्ति और ग्रामीण मौके पर उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला छावनी भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के रेलवे स्टेशनों पर अनुबंधों के आवंटन के लिए IREPS वेबसाइट पर ई–नीलामी के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करते हैं।

रेट यूनिटः वार्षिक लाइसेंस फीस

S. N.	Lot No.	Auction Catalogue No.	Details	Auction start date & time	Auction close date & time
1.	Catg-UMB-RAA-GMU-181-26-1	UMB-Ctg-03-2026	(जनरल माइनर यूनिट–खानपान) (जीएमयू) (आकार–10' X 6') स्टॉल नंबर–1, सर्कुलेटिंग एरिया में सामान्य श्रेणी के लिए बराड़ा रेलवे स्टेशन पर।	08.05.2026 at 15:00 hrs.	08.05.2026 at 15:30 hrs.
2.	Catg-UMB-MET-GMU-177-26-1	UMB-Ctg-03-2026	(जनरल माइनर यूनिट–खानपान) (जीएमयू) (आकार–10' X 6') स्टॉल नंबर–2, प्लेटफॉर्म संख्या–1,सामान्य श्रेणी के लिए मालेरकोटला रेलवे स्टेशन पर।	08.05.2026 at 15:00 hrs.	08.05.2026 at 15:40 hrs.

नोटः ई–नीलामी की अधिक जानकारी हेतु सभी भावी निविदाकर्ता रेलवे वेबसाईट **www.ireps.gov.in** को देखें।
1360/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

श्री गुरु अमरदास जी के प्रकाश पर्व को समर्पित राग दरबार 25 को-कालका

नई दिल्ली 24 अप्रैल (अमृतपाल) दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने जानकारी देते हुए बताया कि तीसरे पातशाह धन-धन श्री गुरु अमरदास जी के पावन प्रकाश गुरपुरब को समर्पित 20वां विशाल राग दरबार शनिवार, 25 अप्रैल 2026 को गुरुद्वारा श्री बंगला साहिब, नई दिल्ली में अत्यंत श्रद्धा और भावनाओं के साथ आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि यह आध्यात्मिक रंगों से सराबोर महान कीर्तन समागम सुबह 6:00 बजे से रात 11:30 बजे तक लगातार जारी रहेगा, जिसके दौरान प्रसिद्ध रागी जत्थे और विद्वान कथावाचक गुरबाणी कीर्तन और गुरमत विचारों के माध्यम से संगत को निहाल करेंगे।

इस महान राग दरबार में भाई हरदीप सिंह फतेहगढ़ साहिब, भाई परमजीत सिंह, भाई गुरप्रीत सिंह जी जवद्दी टकसाल, सिंह साहिब ज्ञानी रणजीत सिंह जी (हेड ग्रंथी गुरुद्वारा बंगला साहिब), भाई बलदीप सिंह उस्ताद परमिंदर सिंह भमरा तथा श्री हरिमंदर साहिब के हजूरी कीर्तनिये भाई अमनदीप सिंह अपने कीर्तन जत्थों सहित उपस्थित होकर गुरबाणी कीर्तन और कथा-विचार के माध्यम से संगत को निहाल करेंगे।सरदार हरमीत सिंह कालका ने समस्त संगत से अपील की कि वे इस महान आध्यात्मिक समागम में बड़ी संख्या में शामिल होकर अपनी हाजिरी लगवाएं और गुरु महाराज की कृपा प्राप्त करें।सरदार कालका ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि देश-विदेश में बैठी संगत की सुविधा के लिए इस महान राग दरबार का सीधा प्रसारण दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की वेबसाइट, कमेटी के फेसबुक पेज, यूट्यूब चैनल, चढ़दी कला टाइम टीवी, जीएसपीएस लाइव कीर्तन प्रधान, बाणी डॉट नेट, अकाल सहाय गुरबाणी, केसरी कनेक्ट और अनम्यूट चैनल के माध्यम से किया जाएगा, ताकि संगत आध्यात्मिक रस से भरपूर समागम से जुड़ सके।

कार की चपेट में आने से प्रवासी मजदूर की मौत

टांडा 24 अप्रैल (निस) इलाके में देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जिसमें एक प्रवासी मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, यह हादसा Tanda के पास उस समय हुआ, जब दो प्रवासी मजदूर सड़क किनारे जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक कार ने अचानक संतुलन खो दिया और दोनों मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल मजदूर को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार चालक तेज गति में था और वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया।

भगवंत मान सरकार लोगों के पुराने झगड़ों को सुलझाने के लिए वचनबद्ध-कुलवंत सिंह

मोहाली 24 अप्रैल (निस)

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की लीडरशिप में आम आदमी पार्टी की सरकार जहाँ पंजाब के हर तरफ़ विकास की बात कर रही है, वहीं लोगों के फ़ायदे वाली स्कीमें भी लागू कर रही है। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की लीडरशिप में आम आदमी पार्टी की सरकार पूरे पंजाब में लोगों के झगड़ों को भी हमेशा के लिए सुलझा रही है। यह बात मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह ने गांव ठसका और दाड़ी गाँवों से जुड़े 205 लोगों को – प्रॉपर्टी कार्ड– बांटते हुए कही, विधायक कुलवंत सिंह ने दैडी गाँव के 160 लोगों और ठसका गाँव के 45 लोगों को प्रॉपर्टी कार्ड बांटे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विधायक कुलवंत सिंह ने साफ़ कहा कि पंजाब भर के 12 हजार से ज्यादा गांवों की लाल डोरे की जमीन पर जिस किसी का भी कब्जा है, वह अब पूरी तरह से उस व्यक्ति की प्रॉपर्टी हो जाएगी और वह अब इस जमीन पर लोन भी ले सकता है, जबकि इससे पहले उस व्यक्ति की मालिकी का कोई रिकॉर्ड नहीं था। विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि पूरे पंजाब में लाल डोरे से जुड़ी जमीनों के प्रॉपर्टी कार्ड बनने शुरू हो गए हैं और जैसे-जैसे ये प्रॉपर्टी कार्ड बनते जाएंगे, उन प्रॉपर्टी कार्ड को संबंधित लोगों को सौंपते रहेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि विरोधी पार्टी के नेता बिना वजह लोगों को अपनी उपलब्धियां बता रहे हैं, जो सरासर गलत है। उन्होंने 20 साल में मोहाली की भलाई के लिए कुछ नहीं किया, सिर्फ अपने लिए ह ी उपलब्धियां हासिल की हैं और करीब दस दिन पहले शहर में उन्होंने जितनी गंदगी फैलाई है, वह मीडिया से भी छिपी नहीं है। उन्होंने कहा कि अब वह खुद दिन-रात मोहाली शहर में अलग-अलग जगहों पर जाकर मोहाली शहर की सड़कों, सीवेज, पानी की निकासी, लाइटों और दूसरे कामों का सर्वे कर रहे हैं और जहां भी सीवेज ब्लॉकेज है, उसे खुलवाया जाएगा।

पंजाब सरकार एनआरआई पंजाबियों की समस्याओं के समाधान के लिए बैठकें करेगी-डा. रवजोत सिंह

चंडीगढ़, 24 अप्रैल (निस)पंजाब सरकार ने विदेशों में बसे पंजाबियों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महीने में दो एनआरआई बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया है। आज यहां पंजाब सिविल सचिवालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक के उपरांत यह जानकारी देते हुए एनआरआई मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि हर महीने के दूसरे बुधवार को ऑनलाइन बैठक आयोजित की जाएगी, जबकि महीने में एक बार डिवीजन स्तर पर भौतिक/ फिजिकल बैठक होगी। एनआरआई मंत्री ने बताया कि ये बैठकें मालवा-1, मालवा-2, माझा और दोआबा डिविजनों के अनुसार आयोजित की जाएंगी, ताकि हर क्षेत्र के एनआरआई पंजाबी अपनी समस्याएं दर्ज करवा सकें और उनका समाधान प्राप्त कर सकें।उन्होंने बताया कि ऑनलाइन बैठक के लिए आवेदन निर्धारित तिथि से तीन दिन पहले तक स्वीकार किए जाएंगे और बैठक वाले दिन ही उनका निपटारा किया जाएगा।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य एनआरआई पंजाबियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।इस अवसर पर एनआरआई मामलों के सचिव श्री वी.एन. जाडे, जालंधर के डिविजनल कमिश्नर श्री रामवीर, विशेष सचिव एनआरआई मामले श्रीमती अमनदीप कौर, एडीजीपी एनआरआई मामले श्री आर.के. जैसवाल तथा एआईजी श्री अजिंदर सिंह भी उपस्थित थे।

कपूरथला के निजी होटल में भीषण आग, बड़ी मशक्कत से फायर ब्रिगेड ने काबू किया

कपूरथला 24 अप्रैल (निस) कपूरथला के एक निजी होटल में आग लगने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, होटल की रसोई में अचानक आग लग गई, जो तेजी से फैल गई। कुछ ही देर में आग होटल की अन्य मंजिलों तक पहुंच गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि हालात को समय रहते काबू में कर लिया गया। होटल स्टाफ ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और करीब 20-25 कर्मचारियों ने मिलकर आग बुझाने की कोशिश की। इस दौरान फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन शुरुआती तौर पर इसे शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। होटल प्रबंधन के अनुसार इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है। आग लगने से होटल में ठहरे लोगों और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया था, लेकिन समय पर कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने पंजाब मंडी बोर्ड में आठ उम्मीदवारों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपे

चंडीगढ़/एस.ए.एस. नगर, 24 अप्रैल (निस)पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स.गुरमीत सिंह खुड्डियां ने पंजाब मंडी बोर्ड के चेयरमैन स. हरचंद सिंह बरसट के साथ एस.ए.एस. नगर स्थित पंजाब मंडी बोर्ड के मुख्य कार्यालय में आठ उम्मीदवारों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र सौंपे।इस अवसर पर स. खुड्डियां ने बताया कि ये नियुक्तियां मुख्यमंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की उस नीति के तहत की गई हैं, जिसके अंतर्गत मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को रोजगार प्रदान किया जाता है, ताकि उन्हें कम से कम समय में आर्थिक और सामाजिक सहायता मिल सके।नवनियुक्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ केवल मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां प्रदान कर रही है और अब तक 65,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने उम्मीदवारों को अपनी जिम्मेदारियां ईमानदारी, लगन और समर्पण के साथ निभाने के लिए प्रेरित किया।

राघव चड्ढा भाजपा में .....

पृष्ठ एक का शेष ... होता है, तो यह राज्यसभा में दल-बदल के संवैधानिक प्रावधानों के तहत एक महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। फिलहाल, इस पूरे घटनाक्रम पर सभी पक्षों की आधिकारिक प्रतिक्रियाओं का इंतजार किया जा रहा है।

आखिर राघव चड्ढा ने क्यों छोड़ा आप का साथ?

दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की। इस दौरान राघव चड्ढा ने दावा किया कि राज्यसभा में आप के 10 में से 8 सांसद भाजपा में शामिल हो रहे हैं, जो दो-तिहाई संख्या है। राघव चड्ढा ने कहा कि उन्होंने आम आदमी पार्टी को खून-पसीने से सींचा, लेकिन अब पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के लिए बनी थी, वही अब समझौतों और निजी स्वार्थों में उलझ गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें लंबे समय से महसूस हो रहा था कि वह आप में हैं, इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया।

संजय सिंह ....नहीं करेगी। उन्होंने दावा किया कि आप सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और रोजगार के क्षेत्र में बेहतर काम कर रही है, लेकिन उसे अस्थिर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

आप सांसद ने आगे आरोप लगाया कि इस कथित 'ऑपरेशन लोटस' को अंजाम देने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी संस्थाओं के जरिए दबाव बनाकर नेताओं को पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने हाल ही में एक सांसद पर पड़े ईडी के छापे का जिक्र करते हुए कहा कि घटनाक्रम आपस में जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। उन्होंने कहा, पहले छापा, फिर दबाव और उसके बाद पार्टी बदलना—यह पूरी प्रक्रिया संदेह पैदा करती है।

प्रधानमंत्री मोदी ...

पृष्ठ एक का शेष ...मोदी ने कई योजनाओं का जिक्र करते हुए वादा किया कि राज्य में भाजपा सरकार बनने पर आयुष्मान भारत योजना लागू की जाएगी, जिसके तहत लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को घर और महिलाओं के नाम पर संपत्ति का अधिकार देने की बात कही। ऊर्जा क्षेत्र में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे लोगों का बिजली बिल शून्य हो सकता है और सोलर पैनल लगाने के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी। मध्यम वर्ग को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कर राहत, शिक्षा और आवास सुविधाओं में सुधार का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज 12 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स नहीं है और मेडिकल सीटों में वृद्धि से छात्रों को फायदा मिला है। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए उनके विजन को आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की विचारधारा में बंगाल की सोच और परंपरा की गहरी झलक है।

ममता बैनर्जी...और मैं अपनी आखिरी सांस इसी बंगाल में लूंगी। मैं दिल्ली को जीतूंगी, इस बात का पूरा भरोसा रखना; एक बार जब मैं बंगाल में जीत हासिल कर लूंगी, तब मैं सभी राजनीतिक पार्टियों को एक साथ लाकर ऐसा करूंगी। मुझे सत्ता की कुर्सी का कोई लालच नहीं है; मेरी बस यही इच्छा है कि दिल्ली में बीजेपी को पूरी तरह से खत्म किया जाएं। बंगाल में उनका खत्म होना तय है ही, लेकिन बीजेपी को दिल्ली से भी बाहर निकालना होगा। इस बात को अपने दिमाग में अच्छी तरह बिठा ले।

संक्षिप्त समाचार

बड़े-बड़े दावे जमीनी स्तर पर फेल, आढ़ती और किसान परेशान, दी चेतावनी

हाजीपुर 24 अप्रैल (निस) पंजाब सरकार द्वारा गेहूं की खरीद के संबंध में किए गए बड़े-बड़े दावे जमीनी स्तर पर फेल होते दिखाई दे रहे हैं। हाजीपुर और आसपास की मंडियों में ई-मंडीकर्ण का सर्वर सही तरीके से काम न करने के कारण आढ़तियों और किसानों में भारी रोष पाया जा रहा है। सर्वर ठप होने के कारण आढ़तियों को इंट्रीयां करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। किसानों की जमीन का डाटा पोर्टल पर अपडेट न होने के कारण फसल की खरीद दर्ज करने में बड़ी दिक्कत आ रही है। यदि पोर्टल पर खरीद समय पर दर्ज नहीं होती, तो किसानों के खातों में पैसे आने में भी देरी होना तय है। सरकार ने पहले ही खरीद 17 अप्रैल से शुरू करके देरी की है, और अब तकनीकी खामियों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। आढ़ती परमवीर सिंह ढाडे कटवाल, किसान बलवीर सिंह गेरा, सुरिंदर सिंह भल्लोवाल, नवदीप सिंह बेला सरियाना, जसवीर सिंह अजमेर और सुरिंदर सिंह निकूचक्क ने पंजाब सरकार के अड़ियल रवैये की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा अगर सर्वर और जमीन अपडेट करने की समस्या का तुरंत समाधान नहीं निकाला गया, तो हम तीखा संघर्ष शुरू करेंगे। खबर लिखे जाने तक मंडियों में काम पूरी तरह प्रभावित था। किसान अपनी फसल का विवरण दर्ज करवाने के लिए सरकारी तंत्र की बेरुखी का सामना कर रहे हैं।

शादी में गए परिवार के घर चोरों ने बोला धावा, गहने और हजारों की नकदी पर किया हाथ साफ

जालंधर 24 अप्रैल (निस) महानगर में चोरी की वारदातों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। बेखौफ चोर सरेआम वारदातों को अंजाम देकर फरार हो रहे है। वहीं ताजा मामला थाना रामामंडी के अंतगर्त आते अंबेडकर नगर से सामने आया है। जहां चोर एक नंबर गली में स्थित घर नगदी और गहने लेकर फरार हो गए।मामले की जानकारी देते हुए महिला रीमा ने कहा कि चोर घर से 5 तोला सोना, चांदी और 50 हजार रुपए नकदी ले गए। महिला ने बताया कि उसकी मौसी की बेटी की मुकेरियां के पास पड़ते भंगाला में शादी थी। जब वह शादी से लौटकर घर पर पहुंचे तो उनकी नजर घर में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे पर पड़ी। पीड़िता ने कहा कि घर से सी.सी.टी.वी. कैमरा गायब था। इसके बाद उन्होंने घर के अंदर जाकर देखा तो डी.वी.आर. भी गायब थी जिसके बाद उन्हें घर में चोरी का शक हुआ। इस दौरान घर की अलमारी का सारा सामान बिखरा हुआ था। अलमारी में रखे गहनों का बैग चैक किया तो उसमें से गहने गायब थे। रीमा ने बताया कि 8 महीने पहले ही उसके भाई की शादी हुई है। उसकी भाभी और मां के गहने अलमारी में थे, चोर सारे गहने ले गए।

खन्ना पुलिस की बड़ी कामयाबी- लूटपाट गिरोह के 2 सदस्य काबू

खन्ना 24 अप्रैल (निस) खन्ना थाना सदर पुलिस द्वारा मुख्य अधिकारी इंस्पेक्टर संदीप कुमार की अगुवाई में समाज विरोधी तत्वों के खिलाफ चलाई जा रही विशेष मुहिम के तहत लूटपाट की वारदातों को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को नाकाबंदी के दौरान काबू कर उनके कब्जे से एक चोरीशुदा मोटरसाइकिल, एक देसी पिस्तौल (.315 बोर) और दो जिंदा कारतूस बरामद करने में सफलता हासिल की है।

बाद में आरोपियों की पहचान दीपक शाह पुत्र सीता राम निवासी मोहल्ला धर्मपुरा बैक साइड, खालसा पेट्रोल पंप खन्ना और प्रेम नाथ पुत्र धर्मराज चौहान निवासी नजदीक भूतों वाला गुरुद्वारा खन्ना, जिला लुधियाना के रूप में हुई है। इस संबंधी जानकारी देते हुए डीएसपी खन्ना श्री विनोद कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस पंजाब गौरव यादव और डीआईजी लुधियाना रेंज सतिंदर सिंह के दिशा-निर्देशों के तहत, सीनियर कप्तान पुलिस खन्ना डॉ. दर्पण आहलूवालिया की रहनुमाई में की गई है।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब , सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड , पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985

व्यापारियों की समस्याओं के हल के लिए सरकार ने ट्रेड कमीशन का गठन किया

धूरी, 24 अप्रैल(मोहन शर्मा) धूरी के वार्ड नंबर 4 में ओ.एस.डी. सुखवीर सिंह द्वारा व्यापारियों के साथ एक बैठक की गई, जिसमें क्षेत्र के जूता व्यापार से जुड़े व्यापारियों की समस्याओं और मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर संबोधित करते हुए ओ.एस.डी. सुखवीर सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह संवेदनशील है और इसी उद्देश्य से ट्रेड कमीशन का गठन किया गया है, ताकि व्यापारियों को पेश आ रही समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार हर वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उनकी जायज मांगों को सरकार तक पहुंचाया जाएगा और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं रखीं, जिन्हें ध्यानपूर्वक सुनते हुए ओ.एस.डी. सुखवीर सिंह ने संबंधित विभागों के साथ बातचीत कर उनके समाधान का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर डॉ. अनवर भसौड़, अनिल मित्तल, पुष्पिंदर शर्मा, एडवोकेट राजीव चौधरी, एडवोकेट हैप्पी गर्ग, स्पर्श जिंदल, राजन कुमार गर्ग, सुरेश जिंदल, मोहित जिंदल, शूज मर्चेंट एसोसिएशन के सदस्य सहित बड़ी संख्या में वार्ड नंबर 4 के निवासी एवं व्यापारी उपस्थित थे।

रिहायशी घर में बोतल में पेट्रोल डालकर आग लगाने की घटना को सुलझा लिया-सरताज सिंह चहल

संगरूर, 24 अप्रैल (मोहन शर्मा) संगरूर जिला पुलिस प्रमुख सरताज सिंह चहल ने कहा है कि जिला पुलिस संगरूर द्वारा बुरे लोगों के खिलाफ शुरू की गई मुहिम को उस समय बड़ी कामयाबी मिली जब पुलिस ने धुरी में एक रिहायशी घर में कांच की बोतल में पेट्रोल डालकर आग लगाने की घटना को सुलझा लिया। यहां मीडिया से बात करते हुए एस एस पी सरताज सिंह चहल ने कहा कि थाना सिटी धुरी के इलाके में एक रिहायशी घर में कांच की बोतल में पेट्रोल डालकर आग लगाने वाले 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और इस्तेमाल मोटर साइकिल भी जब्त कर ली गई है।और जानकारी देते हुए श्री चहल ने बताया कि थाना सिटी धुरी को सूचना मिली थी कि 20.04.2026 को रात करीब 11 बजे 03 अज्ञात लोगों ने एक कांच की बोतल में पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। धूरी निवासी दर्शन कुमार के रिहायशी घर के अंदर बोतल रखकर आग लगा दी थी। जिस पर थाना सिटी धूरी में 03 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा नंबर 59 तारीख 21.04.2026 धारा 326(जी) बीएनएस व 05 पंजाब प्रिवेंशन ऑफ डैमेज टू पब्लिक एंड प्राइवेट प्रॉपर्टी एक्ट 2014 के तहत दर्ज कर जांच की गई थी। एसएसपी सरताज सिंह चहल ने बताया कि इस केस को सुलझाने के लिए एसपी इन्वेस्टिगेशन दविंदर अत्री के नेतृत्व में डीएसपी धूरी गुरप्रीत सिंह, डीएसपी (डिटेक्टिव) संगरूर संजीव सिंगला, इंस्पेक्टर संदीप सिंह, सीआईए बहादुर सिंह वाला व चीफ ऑफिसर थाना सिटी धूरी इंस्पेक्टर जसवीर सिंह की टीमें बनाई गई थीं। जांच की गई। एसएसपी ने बताया कि इस दौरान 23.04.2026 को आरोपी वंश उर्फ काली पुत्र राहुल, समीर उर्फ काका पुत्र संजीव कुमार, समीर उर्फ पोपी पुत्र रामवीर निवासी बस स्टैंड के पास धूरी को गिरफ्तार कर लिया गया था।

सन्नौर से जसमीत कौर छीना मिसल सतलुज की विस उम्मीदवार घोषित-अजयपाल सिंह

मोहाली 24 अप्रैल (निस)पंजाब के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध राजनीतिक संगठन मिसल सतलुज ने आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए अपनी चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया है। इस संबंध में मिसल सतलुज के अध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह बराड़ ने आज महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि संगठन के महिला विंग की अध्यक्ष बीबी जस्मीत कौर छीना (जो सिख संघर्ष के शहीद भाई सतनाम सिंह छीना की धर्मपत्नी हैं) को विधानसभा क्षेत्र सनौर से उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतारा जाएगा। बराड़ ने कहा कि मिसल सतलुज द्वारा पहले ही यह घोषणा की जा चुकी है कि संगठन आगामी चुनावों में अपने उम्मीदवार मैदान में उतारेगा और उम्मीदवारों की घोषणा की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आने वाले चुनावों में मिसल सतलुज विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता देगा, ताकि पंजाब की राजनीति में नई सोच और नई ऊर्जा का संचार हो सके।पंजाब के हितों को केंद्र में रखकर संघर्ष कर रही मिसल सतलुज आज प्रदेश में एक मजबूत और वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में तेजी से उभर रही है। संगठन का मुख्य उद्देश्य पंजाब के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की प्रभावी रक्षा करते हुए राज्य को पुनः विकास, समृद्धि और आत्म-सम्मान के मार्ग पर अग्रसर करना है।